जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 30 दिनांक:03-06-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

एक्जिट पोल के बाद गदगद दिख रही भाजपा को रविवार को एक और बड़ी कामयाबी हाथ लगी। पार्टी ने अरुणाचल प्रदेश में लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी करते हुए विधानसभा में 46 सीट जीतकर भारी बहुमत हासिल किया।

चुनाव परिणाम आने के पहले ही जीत के प्रति आश्वस्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी काम पर जुट गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को सात अलग-अलग मुद्दों पर अधिकारियों के साथ बैठक की।

सिक्किम में एसकेएम और अरुणाचल में भाजपा सरकार

-एसकेएम ने 32 में से 31 सीटें जीती, अरुणाचल में भाजपा को कुल 46 सीट पर जीत मिली

-अरुणाचल में 10 विधायक निर्विरोध जीते थे, कांग्रेस के खाते में एक सीट आई

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोकसभा की 542 सीटों के साथ चार राज्यों आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के लिए इस बार मतदान हुआ। शनिवार को एग्जिट पोल के बाद रविवार को अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम विधानसभा के लिए हुए चुनाव की मतगणना हुई। सिक्किम में एसकेएम (सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा) और अरुणाचल में भाजपा को बहुमत मिला है।

सिक्किम में सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा 32 में से 31 सीट जीतकर फिर से सरकार बनाने जा रही है। विपक्षी दल सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट को एक सीट मिली है। पूर्व सीएम पवन कुमार चामलिंग भी चुनाव हार गए हैं। उधर, अरुणाचल प्रदेश में भाजपा फिर सरकार बनाती दिख रही है। भाजपा को 60 में से 46 सीट पर जीत मिली है। भाजपा पहले ही 10 सीटें निर्विरोध जीत चुकी है। अरुणाचल में भाजपा ने सभी 60 सीटों पर चुनाव लड़ा था, जबकि कांग्रेस ने केवल 19 सीटों पर कैंडिडेट्स उतारे थे। जिसमें से कांग्रेस का एक प्रत्याशी जीत पाया। एनपीपी 5, एनसीपी 3, पीपीए 2 और निर्दलीय तीन सीटों पर विजयी रहे हैं। वहीं, सिक्किम में एसकेएम और एसडीएफ ने 32-32, वहीं 31 उम्मीदवार उतारे थे। कांग्रेस ने 12 सीटों पर चुनाव लड़ा था। सिटिजन एक्शन पार्टी-सिक्किम ने 30 सीटों पर कैंडिडेट उतारे थे। अरुणाचल और सिक्किम विधानसभा के लिए 19 अप्रैल को एक चरण में वोटिंग हुई थी।

कांग्रेस का खाता नहीं खुला

सिक्किम में कांग्रेस ने 12 सीटों पर चुनाव लड़ा था। 2019 के आम चुनावों के बाद एसकेएम का भाजपा के साथ गठबंधन हुआ था, लेकिन इस बार चुनावों से पहले भाजपा ने सिक्किम में अकेले चुनाव लडऩे का ऐलान करके गठबंधन तोड़ दिया था। 2019 में अरुणाचल में भाजपा ने 42 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। वहीं, सिक्किम में एसकेएम 32 में से 17 सीटों के साथ सत्ता पर काबिज है।

एसकेएम की सुनामी में सब बहे

सिक्किम की 32 सीटों पर कुल 146 उम्मीदवार चुनावी मैदान में थे। सिक्किम के चुनाव नतीजों में लोगों की नजरें दिग्गजों की सीटों पर थी, जिनमें मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व फुटबॉल कप्तान भूटिया शामिल थे। इसके अलावा मुख्यमंत्री की पत्नी से लेकर पूर्व अभिनेत्री, आईएएस अधिकारी तक की किस्मत का भी फैसला हो गया है। सिक्किम के चुनाव में सोरेंग-चाकुंग और रेनॉक सबसे चर्चित सीटें थीं। इन दोनों सीटों से खुद मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग चुनाव मैदान में थे। उन्होंने दोनों ही सीटों पर जीत दर्ज कर ली है। तमांग ने सिक्किम एसडीएफ के सोमनाथ पौडयाल को 7,044 मत से हराकर रविवार को रेनॉक विधानसभा सीट जीत ली। वहीं, 7397 के अंतर से सोरेंग-चाकुंग में भी जीत दर्ज की।

सीएम की पत्नी भी जीतीं

पूर्व सीएम चामलिंग के सामने अन्य प्रमुख चेहरे भाजपा से पूर्व अभिनेत्री पूजा शर्मा थीं। वह नामचेयबुंग सीट पर चौथे नंबर पर रहीं। उन्हें मात्र 374 वोट मिले। इसके अलावा नामची-सिंघीथांग सीट का मुकाबला भी दिलचस्प रहा। यहां मुख्यमंत्री तमांग की पत्नी कृष्णा कुमारी राय ने जीत हासिल की।

आंध्र में भाजपा गठबंधन 100 पार

आंध्र प्रदेश में चार एग्जिट पोल ने भाजपा, टीडीपी और जन सेना पार्टी के गठबंधन को 100 सीटें यानी बहुमत मिलने का अनुमान जताया है। वहीं, दो एग्जिट पोल में वायएसआरसीपी को बहुमत मिलता दिख रहा है। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिल रही। वहीं अरुणाचल प्रदेश में इंडिया-टुडे एक्सिस माय इंडिया ने भाजपा को 44 से 51 सीट का अनुमान लगाया। वहीं कांग्रेस को 1 से 4 सीट मिल सकती है। एनपीपी को 2 से 6 सीट का अनुमान जताया है। 175 सीटों वाले आंध्र प्रदेश में 13 मई को वोटिंग हुई थी। आंध्र प्रदेश में विधानसभा की 175 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए 88 विधायक चाहिए। राज्य में जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व में युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी की सरकार है। 2019 में जगन मोहन रेड्डी पहली बार राज्य के सीएम बने थे।

ओडिशा विधानसभा बीजद की सरकार

ओडिशा में विधानसभा की 147 सीटें हैं। बहुमत के लिए 74 सीटें चाहिए। राज्य में बीजू जनता दल, भाजपा और कांग्रेस तीन मुख्य पार्टियां है। बीजद साल 2000 से लगातार सत्ता में है। बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक 24 साल से मुख्यमंत्री हैं। अगर बीजद की सरकार बनती है और नवीन पटनायक सीएम बनते हैं, तो वे सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले नेता बन सकते हैं।

36 घंटों में लू ने ली 45 लोगों की जान, दिल्ली में येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी से लोग बेहाल हैं। ये गर्मी अब तक कई लोगों की जान ले चुकी है। तपती गर्मी के बीच लू भी लोगों की जान की दुश्मन बनी है और 36 घंटों में लू से 45 और लोगों की मौत हो गई है। इस तरह लू से मरने वालों की कुल संख्या 87 पहुंच गई है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी ओडिशा में लू से 19 और लोगों की जान चली गई, एक ही दिन में यूपी में 16 लोगों की मौत हुई है जबकि बिहार में पांच, राजस्थान में चार और पंजाब में एक व्यक्ति की लू से मौत हुई है। ओडिशा में दो दिनों में 19 मौतें हुईं हैं। विशेषज्ञों ने मौतों लिए अधिक तापमान को जिम्मेदार माना है। झारसुगुड़ा में मरने वाले नौ लोगों में से सात ट्रक चालक थे। यूपी में शुक्रवार को मरने वाले 16 लोगों में से 11 मतदान कर्मी थे। राजस्थान में भीषण गर्मी में हीटस्ट्रोक से नौ लोगों की जान गई।

दिल्ली में गर्मी सितम ढाह रही है। मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। दिन में अधिकतम तापमान 42 से 43 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। येलो अलर्ट में कई जगहों पर हीट वेव की स्थिति बन सकती है यानी लू का प्रकोप जारी रहेगा। आसमान में बादल भी छाए सकते हैं। धूलभरी आंधी के साथ बौछारें गिरने की संभावना है। 30 से 40 किमी प्रति घंटे चलने वाली गर्म हवाओं से बचने की नसीहत एक्सपर्ट दे रहे हैं। अब दिल्ली वालों को मानसून में ही राहत मिल सकती है। स्काईमेट वेदर की माने तो मानसून दक्षिण भारत से ऊपर की ओर बढ़ रहा है। ये संपूर्ण उत्तर-पूर्वी राज्यों समेत उप हिमालय पश्चिम बंगाल और सिक्किम तक पहुंच गया है।

केरल में बारिश की गतिविधियों में कुछ कमी आई है, लेकिन पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश जारी है। अब तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और दक्षिणी कर्नाटक में भी बारिश जोर पकड़ेगी। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, यूपी और दिल्ली के तापमान में भी कमी देखने को मिल सकती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के मध्य प्रदेश में दो दिन पहले 15 जून तक पहुंचने की संभावना है।

मतगणना के दो दिन पहले चुनाव आयोग ने बदले नियम...आयोग के इस निर्णय का हो रहा विरोध

पोस्ट वैलेट की मतगणना, ईवीएम की मतगणना के बाद

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय चुनाव आयोग ने मतगणना के दो दिन पहले पोस्टल वैलेट के मतगणना करने का नियम बदल दिया है। इस बदलाव पर राज्यसभा के सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने कड़ी आपत्ति जताई है। मनु सिंघवी इस बदलाव को लेकर रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त से मिले। इलेक्शन कमीशन पर भरोसा नहीं रहा उन्होंने चुनाव आयोग के निर्णय पर आपत्ति जताते हुए कहा, इसका अधिकार चुनाव आयोग के पास नहीं है। नियम को प्रशासकीय आदेश से नहीं बदला जा सकता है। देशभर में चुनाव आयोग के इस निर्णय पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। इलेक्शन कमीशन ने प्रशासनिक आदेश के तहत नियमों में बदलाव किया है।इसकी अधिकारिता को लेकर सवाल उठाया है। नियम के अनुसार ही वैलेट पेपर की मतगणना सबसे पहले कराने का अनुरोध किया है।

कपिल सिब्बल ने भी डाक मत पत्रों की संख्या में अचानक वृद्धि होने और नियम बदलने से पोस्ट वेलेट के जरिए चुनाव परिणामों मैं गड़बड़ी की जा सकती है। उन्होंने भी पोस्टल वेलेट की मतगणना पहिले कराने की मांग की है। उन्होंने चुनाव आयोग से कहा है, प्रत्येक मतगणना केंद्र पर फार्म 17 सी के अनुसार मतगणना कराई जानी चाहिए। कई सीटों पर कुछ हजार मतों या कुछ सौ मतों के अंतर से जीत हार होती है। ऐसी स्थिति में इसका विरोध सभी राजनीतिक दल कर रहे हैं।

अमित शाह के 150 कलेक्टरों को फोन कॉल का दावा

चुनाव आयोग ने जयराम रमेश से अमित शाह के 150 जिलाधिकारियों को किए गए फोन कॉल के बारे में विस्तृत जानकारी मांगी है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कलेक्टरों को फोन कर रहे हैं और खुलेआम धमकाने में लगे हैं। चुनाव के दौरान जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर अपने-अपने जिलों के रिटर्निंग अधिकारी होते हैं। आयोग ने कहा कि आज तक किसी भी जिला मजिस्ट्रेट ने ऐसे किसी तरह के फोन कॉल की सूचना नहीं दी है। हालांकि, चुनाव आयोग ने सीनियर नेता के आरोपों की गंभीरता को देखते हुए जनहित में इस मुद्दे पर ध्यान दिया है।

इलेक्शन कमीशन पर भरोसा नहीं रहा

इसके जवाब में रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस इलेक्शन कमीशन का सम्मान करती है, लेकिन अब तक यह संस्था जिस तरह से काम करती आई है, उसकी वजह से इस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। इलेक्शन कमीशन संवैधानिक संस्था है, इसे निष्पक्ष होना चाहिए। लोग न सिर्फ पार्टियों, कैंडिडेट्स को बल्कि इलेक्शन कमीशन को भी देख रहे हैं।

सीएम केजरीवाल ने किया आत्मसमर्पण,-चुनाव प्रचार के लिए मिली थी 21 दिनों की जमानत

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई निर्धारित तारीख के अनुसार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज रविवार शाम तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण कर दिया। इससे पहले वो राजघाट, हनुमान मंदिर गए और पार्टी नेताओं से मिलकर चर्चा भी की। इस आशय की जानकारी दे रहे दिल्ली के मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि सीएम केजरीवाल ने हमें उनके बारे में नहीं सोचने और काम करते रहने के लिए कहा है।

इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल दिल्ली स्थित पार्टी कार्यालय पहुंचे थे, जहां उन्होंने आप नेताओं से मुलाकात कर आगामी रणनीति पर बात भी की। गौरतलब है कि 10 मई को लोकसभा चुनाव प्रचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 21 दिन की अंतरिम जमानत दे दी थी।

जमानत अवधि समाप्त होने पर अरविंद केजरीवाल आज रविवार को तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करने के लिए पार्टी कार्यालय से निकले तो सभी की आंखें नम हो गईं। दरअसल अदालत ने उन्हें 2 जून को तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण करने के लिए कहा था। इससे पहले सीएम केजरीवाल ने हनुमान मंदिर में दर्शन कर प्रार्थना की और उसके बाद पार्टी नेताओं से मिलकर चर्चा की।

04 जून के बाद तानाशाही खत्म होगी और केजरीवाल बाहर आएंगे

दिल्ली के मंत्री गोपाल राय ने केजरीवाल को जेल भेजे जाने को लेकर कहा, कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई 21 दिनों की जमानत पर चुनाव प्रचार करने के लिए बाहर आए हुए थे। अब वो वापस जेल चले गए हैं और उम्मीद है कि 4 जून के बाद तानाशाही खत्म होने जा रही है, जिसके बाद वो जल्द ही बाहर आएंगे। इसी बीच मंत्री गोपाल राय ने कहा कि एग्जिट पोल्स पर तो पूरा देश ही सवाल खड़े कर रहा है, अब वास्तविक नतीजे 4 जून को आएंगे तो स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। इसी के साथ तानाशाही खत्म होगी और सीएम केजरीवाल बाहर आ जाएंगे।

देहरादून के मौसम का हाल: जहां गर्मी से राहत मिलना थी वहां बरस रही आग

देहरादून(ईएमएस)। उत्तर भारत में भीषण गर्मी ने हाल बेहाल कर दिया है। इससे बचने के लिए पहड़ी इलाकों में सुकून के पल बिताने लोग जाते थे। इसके लिए देहरादून गर्मी से राहत देने वाला सबसे बेहतर शहर माना जाता था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। यहां का तापमान 43 डिग्री से ऊपर पहुंच गया है। यहां 157 सालों का गर्मी का रिकॉर्ड शुक्रवार को टूट गया। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को देहरादून का अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

देहरादून में मई महीने में साल 2012 में 43.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था। तो वहीं साल 2018 में 26 मई का दिन महीने का सबसे गर्म दिन रहा था। देहरादून में प्रचंड गर्मी लोगों को झुलसा रही है। इस दौरान चलने वाली हीटवेव भी घर से बाहर निकलने से रोक रही हैं। दिन के समय झुलसाने वाली गर्म हवाएं रात को भी आराम नहीं दे रही हैं। भीषण गर्मी में बच्चे और बुजुर्ग मौसम की मार से परेशान हैं। बच्चों में उल्टी दस्त तो बुजुर्गों में डिहाइड्रेशन की समस्या देखी जा रही है। देहरादून मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने जानकारी देते हुए कहा है कि अंग्रेजी शासनकाल यानी 1 जनवरी साल 1867 से शहर का तापमान दर्ज किया जा रहा है। साल 1988 में देहरादून शहर में अधिकतम तापमान 42.8 दर्ज किया गया था, लेकिन मई 2024 में वह रिकॉर्ड भी टूट गया। जब देहरादून में बीते शुक्रवार को 43.2 डिग्री के पारे ने अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उत्तराखंड में मैदानी इलाके में गर्मी है, लेकिन पहाड़ी इलाकों में बादलों ने डेरा डाल दिया है। कहीं-कहीं हल्की बारिश भी दर्ज की जा रही है। ऐसे में देहरादून आईएमडी ने प्रदेश के कई जिलों में गरज चमक के साथ बारिश होने की संभावना जताई है। यहां 6 जून तक बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि गर्मी से परेशान लोगों को अब मॉनसून का इंतजार है।

52.3 डिग्री सेल्सियस तापमान पर हाईकोर्ट ने कहा- बंजर रेगिस्तान बन सकता है शहर

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजधानी दिल्ली में अब तक दर्ज किए उच्चतम तापमान 52.3 डिग्री सेल्सियस पर न्यायिक संज्ञान लिया है। कोर्ट ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वर्तमान पीढ़ी वनों की कटाई के प्रति उदासीन दृष्टिकोण जारी रखती है, तो वह दिन दूर नहीं जब यह शहर केवल एक बंजर रेगिस्तान बनकर रह जाएगा। न्यायाधीश तुषार राव गेडेला ने दिल्ली में डीम्ड वनों की सुरक्षा पर निर्देश देने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायिक संज्ञान इस तथ्य पर है कि हाल ही में 30 मई 2024 को दिल्ली में आधिकारिक तापमान 52.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया था। अप्रैल में दिल्ली में डीम्ड वनों की सुरक्षा और प्रबंधन के लिए आंतरिक विभाग समिति नामक एक समिति का गठन किया था। इसमें सेवानिवृत्त न्यायाधीश नजमी वजीरी को उच्च न्यायालय की ओर से अध्यक्ष नियुक्त किया था। सुनवाई के दौरान, एमिकस क्यूरे के वकील गौतम नारायण ने प्रस्तुत किया कि एक बार इस न्यायालय ने एक आदेश पारित कर दिया था, कुशल के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और अन्य सुविधाएं है। चेयरपर्सन पर प्रशासन और जिम्मेदारियों का निर्वहन जल्द से जल्द करना होगा और लालफीताशाही में नहीं उलझना होगा। कोर्ट ने कहा कि विभाग को अलग-अलग क्षमता में कर्मचारी उपलब्ध कराने का निर्देश देने के बजाय, विभाग को मामले को गंभीरता से आगे बढ़ाने का निर्देश देना उचित माना जाता है और किसी भी स्थिति में मंजूरी में 15 जून, 2024 से अधिक देरी नहीं की जाएगी। इसमें आगे कहा कि सक्षम द्वारा उक्त अनुमोदन प्रदान किया जा रहा है। प्राधिकरण, बुनियादी ढांचे का विकास, उसके बाद अगले 15 दिनों के भीतर पूरी तरह से पूरा किया जाना चाहिए।

अमूल दूध हुआ और महंगा, प्रति लीटर दूध की कीमत में 2 रुपए का इजाफा

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से जनता की जेब हलकी करने की खबर सामने आई हैं अमूल ने प्रति लीटर दूध की कीमत में रु. 2 का इजाफा कर दिया है और नई दरें 3 जून से लागू हो जाएंगी चुनाव से पहले 64 रुपए लीटर मिलने वाले दूध के लिए अब सोमवार से 66 रुपए चुकाने होंगे दूध की कीमतों में इजाफा होने से गृहणियों का बजट फिर एक बार गड़बड़ा जाएगा गुजरात कॉऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) ने आज यानी रविवार को प्रति लीटर दूध कीमतों में रु. 2 की वृद्धि की घोषणा की हैं सोमवार से जनता को प्रति लीटर अमूल गोल्ड के लिए रु. 66, अमूल ताजा के लिए रु. 54, अमूल शक्ति के लिए रु. 60 चुकाने होंगे अमूल ताजा के छोटे पाउच के अलावा अन्य सभी दूध की कीमत में रु. 2 प्रति लीटर बढ़ा दिए गए हैं

पंजाब में दो माल गाड़ियों की टक्कर

खन्ना (ईएमएस)। पंजाब के फतेहगढ़ साहिब में आज सुबह करीब 4 बजे दो मालगाड़ियां टकरा गईं। इनमें से एक का इंजन पलट गया और बाजू वाले ट्रैक से गुजर रही पैसेंजर ट्रेन से टकराया। हादसे में मालगाड़ी के 2 लोको पायलट घायल हुए हैं, जिन्हें पटियाला के राजिंद्रा अस्पताल रेफर किया गया। यह हादसा कुछ वैसा ही था, जैसा बीते साल ओडिशा के बालासोर में हुआ था। उस हादसे में रेलवे ट्रैक पर पहले से खड़ी ट्रेन को दूसरी ट्रेन ने आकर टक्कर मारी थी। इस टक्कर के दौरान तीसरी गाड़ी वहां से गुजर रही थी, वह भी हादसे का शिकार हुई। इस रेल हादसे में 293 से ज्यादा लोगों की मौत और 1,000 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। फतेहगढ़ साहिब में हुए इस हादसे की रूपरेखा कुछ वैसी ही है, लेकिन गति धीमी होने के कारण एक बड़ा हादसा होने से टल गया है।

चांद के सबसे अंधेरे हिस्से में चीन की लैंडिंग ,23 दिन में सैंपल लेकर लौटेगा चांग ई-6 लैंडर

बीजिंग(ईएमएस)। चीन के स्पेस मिशन ने रविवार को बड़ी कामयाबी हासिल की है। 3 मई को लॉन्च किए गए चांग ई-6 मून लैंडर ने लगभग एक महीने बाद रविवार सुबह चांद के अंधेरे वाले हिस्से पर सफल लैंडिंग की। ये लैंडिंग चीन के मून मिशन के लिए काफी अहम मानी जा रही है। इसके जरिए चीन चांद के अंधेरे हिस्से से सैंपल लाने वाला पहला देश बनना चाहता है। चीन की स्पेस एजेंसी के मुताबिक चांग ई-6 लैंडर चांद के दक्षिणी ध्रुव-ऐटकेन बेसिन में उतरा। यहां से चंद्रमा की सतह के नमूने इकत्र करना शुरू करेगा।

यह चीन का अब तक का सबसे मुश्किल मून मिशन है। हालांकि, चीन के लैंडर ने पहले भी चांद के सुदूर हिस्से में लैंडिंग की थी। पहली बार चीन ने ही 2019 में अपने चांग ई-4 मिशन के जरिए इस ऐसा किया था। चांग ई-6 की सफलता से चीन चांद पर बेस बनाने में अमेरिका और दूसरे देशों से आगे निकल सकता है। अगर सब उम्मीद के मुताबिक हुआ तो लैंडर चांद की सतह से 2 किलो के सैंपल लाएगा।

सैंपल लेने के लिए लैंडर में ड्रिल कर खोदने और फिर मलबे को उठाने की मैकेनिकल आर्म लगाई गई है। सैंपल को लैंडर के सबसे ऊपर लगे हिस्से में रखा जाएगा। इसके बाद एक दूसरा स्पेसक्राफ्ट चांद के इस हिस्से में भेजकर लैंडर को वापस धरती पर लाया जाएगा। इसकी लैंडिग 25 जून के आसपास मंगोलिया में होगी।

5 फीसदी महंगा हुआ ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का सफर

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली-मेरठ और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे का सफर आज यानि रविवार रात 12 बजे से महंगा हो गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 2 महीने से लंबित बढ़ी टोल दरों को लागू करने का फैसला लिया है। टोल दरों में पांच फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी, जिसके बाद दिल्ली से मेरठ और दिल्ली से हापुड़ तक के सफर के लिए लगभग आठ रुपये ज्यादा चुकाने पड़ सकते हैं, जबकि गाजियाबाद से अलीगढ़ के बीच लुहारली टोल पर सात रुपये ज्यादा चुकाने पड़ सकते हैं। हर साल 1 अप्रैल को टोल दरों में संशोधन होता है। इस बार भी एनएचएआई की तरफ से तय समय पर टोल दरों में बढ़ोत्तरी की घोषणा कर दी गई थी लेकिन लोकसभा चुनाव के कारण फैसला टाल दिया गया। अब एक जून को अंतिम चरण का चुनाव संपन्न होने के बाद एनएचएआई ने दो जून की रात 12 बजे से नई दरें लागू करने की तैयारी कर ली है। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे, ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-हापुड़ एक्सप्रेसवे और गाजियाबाद-अलीगढ़ हाईवे पर टोल वसूलने की जिम्मेदारी निजी कंपनियों पर है। एनएचआईए के परियोजना निदेशक धीरज सिंह ने बताया कि संशोधित दरों का चार्ट अभी मुख्यालय से नहीं मिला है लेकिन अनुबंध के अनुसार पांच फीसदी दरें बढ़ाई जानी हैं।

- कितना देना होगा शुल्क

दिल्ली (सराय काले खां) से मेरठ तक सफर के लिए हल्के निजी वाहनों को एक तरफ की यात्रा के लिए 160 रुपये टोल शुल्क देना पड़ता है जो बढ़कर 168 रुपये और हल्के व्यावसायिक वाहनों (एलसीवी) का 250 की जगह 262 रुपये टोल शुल्क देना पड़ सकता है।

भायखला में 62 मंजिला इमारत में लगी आग, एक व्यक्ति घायल, 30 को सुरक्षित बाहर निकाला

मुंबई,(ईएमएस)। दक्षिण मुंबई के भायखला में 62 मंजिला इमारत में शनिवार देर रात आग लग जाने से एक व्यक्ति झुलस गया जबकि करीब 30 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला लिया गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि भायखला के 'खटाऊ मिल कम्पाउंड में 'मोंटे साउथ इमारत के 'ए विंग की 10वीं मंजिल पर एक फ्लैट में देर रात आग लग गई जिससे पूरी मंजिल पर धुआं भर गया और लोग इमारत की ऊपरी मंजिलों पर फंस गए।

अधिकारी ने बताया कि करीब 30 लोगों को सीढ़ियों से बाहर निकाला गया। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति घायल हो गया है जिसकी पहचान पांडुरंग शिंदे के रूप में की गई है। आग पर देर रात पौने तीन बजे काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि यह 'स्तर-2 की आग थी, जो 10वीं मंजिल के फ्लैट तक सीमित थी।

अधिकारी ने बताया कि आग बुझाते समय 10वीं मंजिल पर बने फ्लैट के रसोईघर में 'रेफ्रीजेटर के 'कम्प्रेसर में विस्फोट हो गया। आग बुझाने के काम में पानी के आठ टैंकर और छह दमकल वाहनों को लगाया गया। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। ऐसी आशंका है कि फ्लैट में शॉर्ट-सर्किट के कारण आग लगी।

असम में बाढ़ से छह लाख से ज्यादा लोग प्रभावित, प्रशासन चला रहा बचाव अभियान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश में जहां कई राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों को जीना मुहाल कर रखा है वहीं असम में बाढ़ से कई लोग प्रभावित हैं। बाढ़ की स्थिति में अभी कोई सुधार नहीं है। 10 जिलों में छह लाख से ज्यादा लोग अब भी प्रभावित हैं। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ गया, जिससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। कोपिली, बराक और कुशियारा नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

बाढ़ से नागांव, कछार, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, कार्बी आंगलोंग, हैलाकांडी होजाई, मोरीगांव, करीमगंज पश्चिम और दीमा हसाओ जिलों में कुल 6,01,642 लोग प्रभावित हुए हैं। 28 मई से अब तक बाढ़ और तूफान में मरने वालों की संख्या 15 हो गई है। नागांव सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है जहां 2.79 लाख से लोग प्रभावित हुए जबकि होजाई में 1,26,813 और कछार में 1,12,265 लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य में 40,000 से ज्यादा लोगों ने राहत शिविरों में शरण ले रखी है।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय प्रशासन और आम नागरिकों द्वारा बचाव और राहत अभियान चलाया जा रहा है।

राज्य के कई हिस्सों में सड़क और रेल संपर्क टूट गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि न्यू हाफलोंग के चंद्रनाथपुर खंड में पटरी को हुए नुकसान और सिलचर स्टेशन पर जलभराव से शनिवार से सोमवार तक कम से कम 10 ट्रेन रद्द कर दी गईं।

पीएम मोदी आज करेंगे सात बैठकें, चक्रवात, हीटवेव, पर्यावरण को लेकर करेंगे चर्चा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के सभी चरण खत्म हो चुके हैं अब चुनाव परिणाम आना बाकी हैं। वहीं चुनाव को लेकर एग्जिट पोल भी आने शुरु हो गए हैं जिसमें फिर तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनती नजर आ रही है। चुनाव के फाइनल नतीजे 4 जून को आएंगे। लोकसभा चुनाव के नतीजे अभी आना बाकी है लेकिन उसे पहले ही पीएम नरेंद्र मोदी एक्शन मूड में नजर आने लगे हैं क्योंकि पीएम मोदी ने एक दिन में सात बैठक कर रहे हैं। ये बैठक आज यानी रविवार को हो रही, जिसमें पीएम मोदी अगली सरकार के 100 दिन के एजेंडे पर चर्चा करने वाले हैं। इसके अलावा चक्रवात के हालात, हीटवेव की स्थिति, पर्यावरण दिवस समेत कई मुद्दों पर भी बैठक में चर्चा करेंगे।

ऐसा देखा गया है कि पीएम मोदी को अपने बिजी शेडयूल के बावजूद जरूरी मीटिंग भी करते रहे हैं। रेमल चक्रवात का अलर्ट आने पर उन्होंने दिल्ली में अधिकारियों के साथ हाई लेवल मीटिंग की थी। वहीं जैसे ही चुनाव प्रचार का शोर थमा तो पीएम मोदी कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद रॉक मेमोरियल पहुंचे, वहां उन्होंने 45 घंटे ध्यान लगाया। इस दौरान मौन व्रत भी रखा। शनिवार को उन्होंने ध्यान खत्म किया।

जानकारी के मुताबिक पीएम मोदी बैक टू बैक बैठक में पर्यावरण दिवस की तैयारियों को लेकर बात करेंगे। इसके अलावा नई सरकार के 100 दिन के रोड मैप पर भी चर्चा होगी। नई सरकार के 100 दिन का एजेंडा क्या रहेगा, इस पर भी बात की जाएगी। पीएम मोदी ने अधिकारियों की उच्चस्तरीय बैठक बुलाई है, जिसमें आगे की रणनीति पर बात की जाएगी।

चुनाव के नतीजों से पहले मुख्यमंत्री नीतीश का दिल्ली दौरा आज कयासों का बाजार गर्म

पटना, (ईएमएस) लोकसभा चुनाव 2024 का महापर्व संपन्न हो गया है ।अब इंतजार है 4 जून का। महापर्व के नतीजे का लोगों के साथ नेता भी इंतजार कर रहे हैं।

इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज दिल्ली दौरे पर रवाना हुए। सीएम कुमार के दौरे को निजी यात्रा बताया जा रहा है। लेकिन, अपने दिल्ली दौरे के दौरान नीतीश एनडीए के कई नेताओं से भी मुलाकात कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार सोमवार को नीतीश दिल्ली से वापस भी लौट आएंगे।

एग्जिट पोल में एनडीए को प्रचंड बहुमत मिलता दिख रहा है। बिहार के एग्जिट पोल में भाजपा,जदयू और लोजपा (रा) को जीत का अनुमान है, ऐसे में सीएम नीतीश के दिल्ली दौरे से कयासों का बाजार गर्म है।

विपक्ष यूं ही 4 जून का इंतजार नहीं कर रहा है, कई हैं बड़े कारण

लखनऊ(ईएमएस)। भाजपा सहित चौतरफा बधाई और मिठाई का दौर चल रहा है। उन्हे लग रहा है कि यही फाइनल नतीजे हैं। जबकि ये सिर्फ एक अनुमान है। वहीं दूसरी तरफ विपक्षी गठबंधन को पूरी उम्मीद है कि 4 जून को आने वाले नतीजे पूरी तरह से उनके पक्ष में आएंगे। एग्जिट पोल पर भाजपा, कांग्रेस और सपा ने प्रतिक्रिया दी है। एग्जिट पोल से जहां भाजपा गदगद है, वहीं विपक्ष को चार जून को नतीजे उसके पक्ष में आने का इंतजार है।

सपा के प्रदेश प्रवक्ता अशोक यादव कहते हैं कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहले ही एग्जिट पोल को लेकर कार्यकर्ताओं को आगाह कर दिया है। लोगों का ध्यान भटकाने के लिए एग्जिट पोल लाए जाएंगे। यह हमारे कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने की साजिश है, ताकि वे काउंटिंग में ढीले पड़ जाएं। अपना आत्म विश्वास खो दें। जमीनी हकीकत से एग्जिट पोल के आंकड़े मैच नहीं कर रहे हैं। जिस प्रकार जनता का पेपर लीक, अग्निवीर और महंगाई को लेकर आक्रोश था, वह एग्जिट प

जन हितैषी

एग्जिट पोल गलत साबित हुए तो भारतीय शेयर बाजार में आएगी भारी गिरावट

1 जून को लोकसभा चुनाव के सातों चरण का मतदान पूर्ण हो चुका है। इसके बाद जो एग्जिट पोल आए हैं, उनमें एनडीए गठबंधन और भाजपा को पूर्ण बहुमत दिखाया गया है। नेशनल मीडिया चैनल द्वारा जारी एग्जिट पोल में, भारी बहुमत से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी बार सरकार बनती हुई दिख रही है। इन दिनों भारत में अधिकांश नेशनल न्यूज़ चैनल्स को गोदी मीडिया कहा जाता है। जो सरकार के इशारे पर, सरकार के लिए काम करता है। 2024 के लोकसभा चुनाव में यह एक अविश्वसनीय मीडिया के रूप में आम मतदाताओं के बीच में पहचाना गया है। जिस तरह से 2014 और 2019 का चुनाव व्हाट्सएप के जरिए सोशल मीडिया पर लड़ा गया था। इसका पूरा फायदा भारतीय जनता पार्टी को हुआ था। इस बार व्हाट्सएप और सोशल मीडिया जिसमें यूटयूबर शामिल है। वह आम जनता के बीच में काफी लोकप्रिय साबित हुए हैं। नेशनल टीवी चैनल द्वारा जो नहीं दिखाया और बताया गया, उसकी कमी इस बार व्हाट्सएप और सोशल मीडिया के कई प्लेटफार्म्स ने पूरी करते हुए आम जनता तक अपनी अच्छी खासी पहुंच बनाई है। लाखों लोग गांव-गांव में रोजाना सोशल मीडिया मे यूटयूब और व्हाट्सएप के माध्यम से सारी जानकारी प्राप्त कर रहे थे। महंगाई और बेरोजगारी की लड़ाई, सोशल मीडिया में जिस तरह से लड़ी गई है, इसका असर चुनाव प्रचार के दौरान देखने को मिला है। विपक्षी दल इंडिया गठबंधन की रेलियों और जनसभाओं में भारी भीड़ सभी राज्यों में उमड़ी है। मतदान का प्रतिशत घटा है। धार्मिक ध्रुवीकरण का मुद्दा मतदाताओं के बीच में नहीं देखा गया। राम मंदिर का मुद्दा भी इस बार कोई काम नहीं आया। उल्टे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस के घोषणा पत्र का पोस्टमार्टम उससे उन्होंने कांग्रेस के घोषणा पत्र को जन-जन तक पहुंचाने का काम कर दिया। जिसका असर आम मतदाताओं में इंडिया गठबंधन के पक्ष में देखने को मिला है।

इस बार सोशल मीडिया, इंडिया गठबंधन की सरकार बना रही है। सोशल मीडिया में निष्पक्ष और वरिष्ठ पत्रकार हैं। वह इंडिया गठबंधन की सरकार को बनता हुआ दिखा रहे हैं। ज्योतिषियों के अनुसार भी भारतीय जनता पार्टी की ग्रह दशा सबसे खराब है। इंडिया गठबंधन और कांग्रेस की ग्रह दशा सबसे अच्छी ज्योतिषी बता रहे हैं। नेशनल मीडिया ने जो एग्जिट पोल दिखाया है, ठीक उसके विपरीत सोशल मीडिया का एग्जिट पोल है। जिसके कारण मतदाता और निवेशक भ्रम की स्थिति में है। शेयर बाजार के विदेशी निवेशक वेट एंड वॉच की मुद्रा में है। अभी तक वह 40000 करोड रुपए से ज्यादा की निकासी कर चुके हैं। 4 तारीख को मतगणना के दिन भारतीय जनता पार्टी की सरकार तीसरी बार केंद्र में बनती हुई दिखी, तो निश्चित रूप से शेयर बाजार में सुपर बुल की स्थिति देखने को मिलेगी। शेयर बाजार 75000 के ऊपर कारोबार करता हुआ दिखेगा। 4 जून को यदि इंडिया गठबंधन को सरकार बनने लायक बहुमत मिला, तो डॉलर के मुकाबले भारतीय करेंसी 85 रूपये के स्तर को छू सकती है। शेयर बाजार की भाषा में यदि यह स्थिति बनी, तो बाजार में भारी गिरावट होना तय माना जा रहा है। म्युचुअल फंड के निवेशकों को नुकसान होना तय माना जा रहा है। शेयर बाजार के 10 फीसदी से ज्यादा गिरने की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। शेयर बाजार के मंदडियों का मानना है, कि बाजार 73000 के अंक से घटकर 60000 के स्तर पर आ जाता है, तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होगा। चुनाव के हर चरण के मतदान के पहले और बाद में शेयर बाजार में तेजी-मंदी का दौर बना रहा। विदेशी निवेशकों में भी भय बना हुआ है। 4 जून को क्या होगा इसको लेकर सभी लोगों के बीच में उत्सुकता बनी हुई है।

जनादेश की द्रोपदी का चीरहरण

अठारहवीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में जनादेश आने से पहले गोदी मीडिया के तमाम चैनलों और अखबारों के एक्जिट पोल द्वारा भाजपा गठबंधन की सरकार बनाई जा चुकी है। नयी सरकार को कायदे से आज ही पेशगी बधाई दे देना चाहिए, लेकिन मै गोदी मीडिया की तरह जनादेश की द्रोपदी का चीरहरण नहीं करना चाहता ,इसलिए नयी सरकार को बधाई 4 जून की दोपहर के बाद ही दूंगा। अब सवाल ये है कि गोदी मीडिया ने जनादेश की प्रतीक्षा किये बिना मोदी की सरकार बनवाने में उतावलेपन का जो मुजाहिरा ड आप मुजरा भी कह सकते हैं . किया है उसके लिए उसे कितनी कीमत मिली ? या उसकी कीमत कौन चुकाएगा ?

जब एक्जिट पोल से ही सरकारें बनने लगीं हैं तो मतगणना की औपचारिकता कराने की क्या आवश्यकता है ? भाजपा ने सत्ता में रहते हुए हैट्रिक लगाने के इतने पुख्ता इंतजाम कर ही लिए थे तो फिर चुनावों पर इतना खर्च करने की जरूरत भी क्या थी ? केंचुआ उनका था, है। ,ईवीएम उनकी है और मीडिया उनका है ही। एक्जिट पोल दरअसल 4 जून को पहले से रचे गए कथित झूठ के नाटक की ताईद करने की एक निकृष्ट कोशिश है। देश में जब निशियाम बकबक करने वाले टीवी चैनल नहीं हुआ करते थे तब हम भी अखबारों के लिए सम्भावनाएँ तलाशने के लिए तमाम पापड़ बेलते थे ,और आप यकीन कीजिये की हमारे अनुमान भी सटीक ही बैठते थे लेकिन हम और हमारी पीढ़ी के पत्रकारों ने कभी भी जनादेश से पहले किसी पार्टी की सरकार नहीं बनवाई। न किसी दल के लिए लाल गलीचे नहीं बिछाए।

जगजाहिर है कि देश में पहली बार चुनाव प्रचार की रेल मुद्दों की पटरी से परे दौड़ाने की कोशिश की गयी। सरकार की उपलब्धियों के बजाय विपक्ष की खामियों पर चुनाव लड़ने की कोशिश की गयी। उपलब्धियां गिनाने के बजाए विपक्ष के ऐब गिनाये गये । मुद्दों पर धूल डालकर उनकी जगह हौवे खड़े किये गए। कभी मंगलसूत्र खतरे में डाला गया तो कभी सनातन को । कभी हिन्दू -मुसलमान किया गया तो कभी अल्संख्यकों के आरक्षण को पिछड़ों के आरक्षण पर डकैती बताया गया तो कभी विरासत और भैंस तक को बीच में लाया गय। चुनाव प्रचार का समापन मुसलमानों के सामने विपक्ष के कथित मुजरे से हुआ। आदर्श आचार संहिता का पहरेदार केंचुआ आँखें नटेर कर सब कुछ देखता रहा। और वो सब कुछ हुआ जो नहीं होना चाहिए था।

इस आम चुनाव में गरीबी ,मंहगाई ,बेरोजगारी और तो और एक जाति विशेष की अस्मिता का मामला भी यदि जनता की समझ में नहीं आया तो समझ लीजिये की जनता की आँखों में जो रतौंधी दस साल पहले पैदा की गयी थी वो अब अंधत्व में बदल चुकी है। जनता के मताधिकार से अब कोई तब्दीली नहीं हो सकती। हमारा जन प्रतिनिधित्व क़ानून अब एक ढकोसला बनकर रह गया है। हमारे पास जनता का गुस्सा प्रकट करने का कोई हथियार नहीं बचा है । मताधिकार हो या जनादेश या केंचुआ सभी पर सत्ता प्रतिष्ठान का नियंत्रण है। ताउम्र सत्ता में बने रहने की ललक है ,लिप्सा है। ये चुनाव किसी सरकार का नहीं बल्कि इस बात का फैसला करेगा कि जनता अपने मताधिकार से वंचित की जा चुकी है या नहीं ? ये जनादेश सत्ता प्रतिष्ठान की साजिशों,मूर्खताओं और सियासत में अदावत का जहर घोलने के पक्ष में है या खिलाफ ? फैसला जनता को करना है लेकिन लगता है कि ये फैसला भी सत्ता प्रतिष्ठान ने अपने हाथों में ले लिया है। जनता फिर एक बार ठगी जाने वाली है मदारियों के हाथों।

चूंकि मैंने खुद तो चुनाव लड़ा नहीं है इसलिए एक्जिट पोल देखने के बाद मेरा कोई जाती नुक्सान तो होने से रहा,लेकिन जो नुक्सान देश का और जनता का होने वाला है उसकी कल्पना से मेरे मन में हल्की सी सिहरन जरूर है। देश आपातकाल के काले बादलों से 19 महीने में मुक्ति पा गया था लेकिन लगता है कि अब उसे अमर्यादित और कुंठित राजनीति के काले बादलों से मुक्ति के लिए अभी और प्रतीक्षा करना पड़ेगी। दुर्दिन कभी स्थाई नहीं होते । उनकी उम्र लम्बी जरूर हो सकती है। जनता यदि अपने मताधिकार के जरिये तबे पर जलती रोटी को नहीं पलट सकती तो उनके नसीब में जली रोटी ही लिखी है ये मानकर चलना चाहिए। मानकर चलना चाहिए कि उसके नसीब में तड़ीपार,बटमार और टपोरी नेतृत्व ही लिखा है। यहाँ मैं कवि प्रदीप की इस बात से बिलकुल सहमत नहीं हूँ कि -

कोई लाख करे चतुराई ,
करम का लेख मिटे ना रे भाई

करम डकिस्मत .का लेख ,सुलेख ,आलेख सब मिटाये जा रहे हैं , कान्सप्रेसी थ्योरी के जरिये । इलेक्टोरल बांड से मिले पैसे के जरिये। किस्मत अब पत्थर की लकीर नहीं ,बल्कि रेत पर लिखी इबारत जैसी है। बहरहाल आप और हम सभी मिलकर एक्जिट पोल का आनंद लें और स्क्रिपिटेड जनादेश की प्रतीक्षा करें । जो हो उसे शिरोधार्य करने की तैयारी करें । भाजपा ने तो जनादेश आने के पहले ही 9 जून को कर्तव्य पथ पर माननीय मोदी जी के शपथ ग्रहण की तयारी कर ली है और राहुल गांधी का अमेरिका यात्रा का टिकिट कटवाकर वायरल करा दिया है। (लेखक - राकेश अचल/ ईएमएस)

पर्यावरण हितैषी वाहन है साइकिल

(3 जून विश्व साइकिल दिवस पर विशेष)

भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है।

दो सौ साल पहले 12 जून 1817 को जर्मनी के मैनहेम में बैरन कार्ल वॉन ड्रैस ने दुनिया की पहली साइकिल पेश की थी। यह लकड़ी से बना था और इसमें पैडल, गियर या जंजीर नहीं थी। उसने खुद को पहले एक पैर से और फिर दूसरे पैर से धकेला। उन्होंने इसे लॉफमाशाइन (जर्मन में चलने वाली मशीन) कहा। अब तो जापान के फुकुकोआ शहर में छात्रों ने एक ऐसी साइकिल बनाई है जो हवा से चलती है। इसकी अधिकतम रफ्तार 64 किलोमीटर प्रति घंटा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे कंप्रेस्ड हवा से चलने वाली दुनिया में सबसे तेज साइकिल का सर्टिफिकेट दिया है।

3 जून 2018 को विश्व में पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम छठवां विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी।

भारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितैषी वाहन को नजरअंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं।

भारत सरकार अपनी साइकिल परिवहन व्यवस्था में कुछ जरूरी मूलभूत सुधार करके आम और खास लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकती है। सरकार के इस कदम से ऐसे सभी लोग प्रेरणा पा सकते हैं। जिनकी प्रतिदिन औसत यातायात दूरी पांच-सात किलोमीटर के आसपास बैठती हैं। हमारे देश की कई राज्य सरकारें अपने स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में साइकिल वितरण कर रही हैं। जिससे साइकिल सवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। 'द एनर्जी ऐंड रिसर्च इंस्टीटयूट' के अनुसार पिछले एक दशक में साइकिल चालकों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 43 फीसदी से बढकर 46 फीसदी हुई है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 46 फीसदी से घटकर 42 फीसदी पर आ गई है। इसकी मुख्य वजह साइकिल सवारी का असुरक्षित होना ही पाया गया है।

बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी।

देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं।

देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी। लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के घर पहुंचने का सबसे उपयोगी साधन बनने से लोगों को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गयी की साइकिल आज भी आम लोगों का सबसे सस्ता व सुलभ साधन है।

अब तो विभिन्न प्रकार के फीचर से लैस गियर वाली कीमती साइकिले बाजार में आ गई है। पहले लोगों के पास सामान्य साइकिले ही हुआ करती थी। जिनके पीछे एक कैरियर लगा रहता था। जिस पर व्यक्ति अपना सामान रख लेता था व जरूरत पड़ने पर दूसरे व्यक्ति को बैठा लेता था। कई बार तो साइकिल सवार आगे लगे डंडे पर भी अपने साथी को बिठाकर 3-3 लोग साइकिल पर सवारी करते थे। साइकिल से वातावरण में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होता था। पेट्रोल डलवाने का झंझट भी नहीं था। साइकिल उठाई पैडल मारे और पहुंच गए अगले स्थान पर। पहले के जमाने में साइकिल के आगे एक छोटी सी लाइट भी लगी रहती थी। जिसका डायनुमा पीछे के टायर से जुड़ा रहता था। साइकिल सवार जितनी तेजी से साइकिल चलाता उतनी ही अधिक लाइट की रोशनी होती थी।

तीन साल पहले विश्व साइकिल दिवस के दिन ही भारत की सबसे बड़ी साइकिल निर्माता कम्पनी एटलस बंद हो गयी थी। प्रतिवर्ष 40 लाख साइकिल का उत्पादन करने वाली भारत की सबसे बड़ी व दुनिया की जानी मानी कम्पनी एटलस के बंद होने से साइकिल उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। एटलस की फैक्ट्री बंद होने से वहां काम करने वाले करीबन एक हजार लोग बेरोजगार हो गये। एटलस साइकिल कम्पनी की स्थापना 1951 में हुई थी। इसका कई विदेशी साइकिल निर्माता कंपनियों के साथ गठबंधन था। जिस कारण एटलस कम्पनी की साइकिल दुनिया भर की श्रेष्ठ साइकिलों में शुमार होती थी। अमेरिका के बड़े-बड़े डिपार्टमेंट स्टोर में भी एटलस की साइकिले बेची जाती थी।

अब समय आ गया है कि शहर एवं गांवो में साइकिल चालन को एक बड़े स्तर पर प्रोत्साहन देने का। ताकि बढ़ते प्रदूषण को कुछ हद तक रोका जा सके। शहरों में समर्पित साइकिल मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिये। हमें विश्व साइकिल दिवस को महज एक सांकेतिक कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिये। आज के दिन हमें मन ही मन इस बात का संकल्प लेना चाहिये कि हम हमारे रोजमर्रा के काम साईकिल से पूरा करेगें। तभी सही मायने में साइकिल दिवस मनाना सफल हो पायेगा।

बढ़ते प्रदूषण की वजह से दुनिया के बहुत से देशों में साइकिल चलाने को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में सिर्फ साइकिल चलाने की ही अनुमति है। भारत में भी दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद और चंडीगढ़ में सुरक्षित साइकिल लेन का निर्माण किया गया है। उत्तर प्रदेश में भी 200 किलोमीटर लम्बा एशिया का सबसे लंबा साइकिल हाई वे बना है। अभी देश में साइकिल चालकों के अनुपात में साइकिल रोड़ विकसित किए जाने की प्रबल आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से देखा जाए तो दुनिया के देशों में साइकिल की वापसी पर्यावरण की दृष्टि से एक शुभ संकेत माना जा सकता है। (लेखक-रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

आर्थिक मोर्चे की दो शानदार खबरों से सशक्त होता भारत

एक जून को आम चुनाव के सातवें व अंतिम चरण के चुनाव हो रहे हैं, जिसमें 57 सीटों पर मतदान चल रहा है, चुनाव से पहले कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ध्यान को लेकर विपक्ष की धमासान राजनीति हो रही है, कांग्रेस मामले को लेकर अदालत भी पहुंच गई है, इस राजनीतिक गर्मा-गर्मी के बीच मतदान से ठीक एक दिन पहले आर्थिक मोर्चे पर दो शानदार खबरें आई है, जो न केवल चौंका रही है, आश्चर्यचकित कर रही है बल्कि अपूर्व खुशी का अहसास करा रही है। भारत भूमि पर भारतीय रिजर्व बैंक के खजाने में 100 टन से कुछ ज्यादा स्वर्ण का शामिल होना सुखद और गौरवान्वित करने वाली खबर है। इसी तरह दूसरी महत्वपूर्ण खबर है पूर्व के सभी अनुमानों को ध्वस्त करते हुए देश की अर्थव्यवस्था ने 8.2 फीसदी की दर से उड़ान भरी है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च चौथी तिमाही में सालाना आधार पर 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, पहली तिमाही अप्रैल-जून में 7.8 फीसदी, दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में 7.6 प्रतिशत और तीसरी तिमाही अक्टूबर- दिसंबर में 8.6 फीसदी की दर से बढ़ी थी। इसके साथ ही पूरे वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत हो गई। जीडीपी की यह रफ्तार दुनिया के सभी विकसित एवं विकासशील देशों में सर्वाधिक है। उल्लेखनीय आर्थिक प्रगति की यह तेज गति सशक्त अर्थव्यवस्था को एवं दुनिया की तीसरी आर्थिक महाताकत बनने के संकल्प को बल देगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से ही भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में एक चमकते सितारे के रूप में उभरी है, सुदृढ़ आर्थिक विकास के सुनहरे परिदृश्य प्रस्तुत कर रही है एवं ''मजबूत आर्थिक विकास'' को दर्शा रही है।

जीडीपी की शिखर की ओर बढ़ने की गति भारत के शक्तिशाली बनने का आधार है। विनिर्माण, निर्माण, लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं द्वारा प्रोत्साहित, चौथी तिमाही की 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर अर्थशास्त्रियों द्वारा लगाए गए 7.3-7.4 प्रतिशत के उच्चतम अनुमान से कहीं अधिक रही। और 8.2 प्रतिशत की पूर्ण वर्ष की वृद्धि दर आरबीआई द्वारा अनुमानित 7 प्रतिशत और एनएसओ द्वारा 2023-24 के लिए 7.6 प्रतिशत के दूसरे अग्रिम अनुमान से अधिक है। यह आंकड़ा सभी अनुमानों एवं पूर्वानुमानों से ऊपर है। जीडीपी की गति इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति देगी। यह आर्थिक विकास देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। यह जीडीपी इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल यानी 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का विजन निश्चित ही हम हासिल करेंगे।

ध्यान देने की बात है कि आजादी के बाद की अधिकतम शासन करने वाली सरकारों ने आर्थिक संकट ही खड़े किये थे। साल 1991 में जब भारत पर आर्थिक संकट आया था, तब शायद भारतीय अर्थव्यवस्था से दुनिया के ज्यादातर देशों को विश्वास कुछ डिग गया था। मजबूरी में देश को अपना सोना विदेश भेजना पड़ा था। तब कर्ज का जाल भारी हो गया था, लेकिन आज भारत की अर्थव्यवस्था बेहतर प्रदर्शन कर रही है और कर्ज चुकाना अब समस्या नहीं है। ऐसे में, इतने बड़े पैमाने पर विदेश से सोना लाने की प्रशंसा ही की जा सकती है। मार्च के अंत तक रिजर्व बैंक के पास 822.1 टन सोना था, जिसमें से 413.8 टन विदेश में था। वास्तव में, अपना सोना किसी अन्य देश में रखने को बहुत अच्छा नहीं माना जाता है। रिजर्व बैंक शायद संदेश देना चाहता है कि भारत अब शक्तिशाली है और वह अपने सोने की हिफाजत खुद कर सकता है। आज अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर हम ब्रिटेन से आगे निकल गए हैं, तो हमें अपनी नीतियों में गरिमा के अनुरूप परिवर्तन करना ही चाहिए। वैसे, भारत की स्थिति अचानक नहीं सुधरी है। एक खास बात यह भी है कि भारत चालू वित्त वर्ष में ऐसे चंद देशों में शुमार है, जिन्होंने सोना खरीदा है। भारतीय रिजर्व बैंक ने कुछ ही महीनों में 27.5 टन सोना खरीदकर अपने स्वर्ण भंडार में जमा किया है।

स्वर्ण भंडार के मामले में भारत 822.1 टन के साथ दुनिया में नौवें स्थान पर है और अमेरिका के पास सर्वाधिक 8,133 टन से ज्यादा सोना है। जर्मनी के पास 3,352 टन सोना है। उसके बाद इटली, फ्रांस, रूस, चीन (2,262 टन), स्विट्जरलैंड और जापान का स्थान है। समय के साथ सोने का भाव बढ़ता ही रहा है, बीस साल पहले जो सोना 6,307 रुपये प्रति दस ग्राम का था, वही सोना आज 73,390 रुपये प्रति 10 ग्राम का हो गया है। जाहिर है, सोने की मांग नहीं घटने वाली, पर ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को अपनी बुद्धि, कौशल और श्रम से सोना खरीदने में सक्षम होना पड़ेगा, तभी देश के स्वर्ण भंडार की खनक-चमक बढ़ेगी। कई उच्च आवृत्ति संकेतक जैसे जीएसटी संग्रह, बिजली खपत, माल ढुलाई आंकड़े आदि संकेत देते हैं कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था लचीली और उत्साही बनी हुई है। मोदी यदि तीसरे कार्यकाल के लिये प्रधानमंत्री चुने जाते हैं तो भारत की आर्थिक विकास गति जारी रहेगी। जीडीपी एवं आर्थिक गति मूडीज, फिच, एसएंडपी, नोमुरा, रिजर्व बैंक, आईएमएफ आदि दिग्गज वित्तीय संस्थानों के अनुमानों को ठुकराते हुए नई छलांगे लगायेगी।

प्रधानमंत्री ने देश में आतंकवादी वारदातें कम होने, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकार के ईमानदारी और पारदर्शिता से काम करने का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने गरीबों के कल्याण के लिए ज्यादा से ज्यादा धन खर्च किया है और 13.5 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है। निश्चित ही भारत से गरीबी दूर हो रही है। उन्होंने देशवासियों को?इस बात का अहसास कराया कि जब देश आर्थिक रूप से मजबूत होता है तो तिजोरी ही नहीं भरती बल्कि देश का सामर्थ्य भी बढ़ता है।?उन्होंने देशवासियों से परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण के खिलाफ लड़ने का आह्वान भी किया क्योंकि ये गरीब, पिछड़े, आदिवासियों और दलितों का हक छीनते हैं।

यह उल्लेखनीय एवं संतोष का विषय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। 'इंडियन इकॉनमी-अ रिव्यू' में यह उम्मीद जताई गई है कि भारत 2027 तक 5 ट्रिलियन डॉलर और 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बन जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार इस बात की गारंटी दे रहे हैं कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो जाएगा। भारत फिलहाल दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वैश्विक वित्तीय संस्थान मॉर्गन स्टेनली ने भी ऐसी ही भविष्यवाणी की थी। तमाम तरह की अनुकूलताओं एवं गुलाबी अर्थ रंगों के बावजूद हमें आर्थिक गति की बाधाओं पर भी ध्यान देना होगा। तेज विकास दर के बावजूद रोजगार के मोर्चे पर खास प्रगति नहीं हुई है। आज भी युवा बेरोजगारी का स्तर 40 फीसदी तक बताया जाता है। यह स्थिति गंभीर इसलिए भी है कि यह तेज विकास दर के फायदों को सीमित करती है। एक बड़ी चुनौती यह भी है कि निजी पूंजी निवेश में बढ़ोतरी नहीं हो रही है। श्रम-शक्ति में महिलाओं की कम भागीदारी आर्थिक ही नहीं सामाजिक और अन्य दृष्टियों से भी चिंता की बात है। इस मामले में हम पड़ोस के बांग्लादेश और पाकिस्तान से भी पीछे हैं। अर्थव्यवस्था से जुड़ी दो खबरों ने राहत की सांसें है जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बलशाली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। (लेखक- ललित गर्ग/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8026

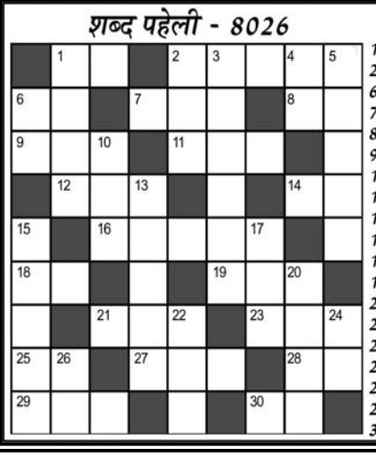

बाएँ से दाएँ

1.आस्तिक,अनुगामी,पूजक-2
2.रख-रखाव-2,3
6.देह, बदन-2
7.कारण-3
8.तपस्या-2
9.बंदूकधारी(अंग्रेजी-3)
11.पति की बहन-3
12.प्रतिज्ञा,वचन-3
14.पिता,डैडी-2
16.मन मोहने वाला-5
18.आनंदित-2
19.लवण,खार-3
21.बख्तरबंद,आवरण-3
23.पासों से भविष्य जानना-3
25.आमिर व काजोल की फिल्म-2
27.मुलायम,कोमल-3
28.उस समय-2
29.भ्रमण,घूमना-3,
30.कोलाहल-2

ऊपर से नीचे

1.खतरनाक-4
2.सनम,बालम-3
3.रहने का तरीका-3,3
4.चावल-2
5.बिजली का कौंधना-5
6.कौवा,काग-2
10.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
13.मन को भाने वाला-5
15.सहयात्री-5
17.कटि-3
20.निम्न,न्यूनतम-4
22.उत्कर्ष-3
24.अधर,होठ-2
26.संबोधन-2

शब्द पहेली - 8025 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

भारतीय मुक्केबाज अमित पंघाल को पेरिस ओलंपिक के लिए प्रवेश मिला

दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में जीत के साथ किया क्वालीफाई

बैंकॉक (ईएमएस)। भारतीय मुक्केबाज अमित पंघाल ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पंघाल ने यहां हुए दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन मुक्केबाजी टूर्नामेंट के 51 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन के चुआंग लियू को हराकर ओलंपिक टिकट कटाया।

पंघाल ने एक कड़े मुकाबले में लियू को 5-0 से हराकर दूसरी बार ओलंपिक में प्रवेश हासिल किया है। पंघाल ओलंपिक टिकट हासिल करने वाले पांचवें भारतीय मुक्केबाज हैं। उनसे पहले निशांत देव (71 किग्रा), निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था।

पंघाल को पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने का केवल एक ही अवसर मिला जिसे भुनाने में उन्होंने कोई गलती नहीं की। वह इससे पहले की दो क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं के लिए ट्रायल्स में विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया से हार गए थे। एशियाई खेल 2018 के चैंपियन पंघाल ने उन्हें मिले अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए ओलंपिक में जगह पक्की की।

आईसीसी ने विराट को दिया प्लेयर ऑफ द ईयर अवार्ड

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द अवार्ड दिया है। आईसीसी ने साल 2023 में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए विराट को ट्रॉफी और एक कैप दी है। विराट ने 2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 27 एकदिवसीय की 24 पारियों में छह शतक और आठ अर्द्धशतकों के साथ ही 72.47 की औसत और 99.13 की स्ट्राइक रेट से 1,377 रन बनाए हैं। इसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 166 रन रहा है। उन्होंने एशिया कप 2023 के सुपर फोर चरण में पाकिस्तान के खिलाफ 94 गेंदों में नाबाद 122 रन बनाये थे।

वहीं गत वर्ष हुए एकदिवसीय विश्व कप में विराट ने 11 मैचों में 95.62 की औसत से 765 रन बये थे। इसमें तीन शतक, छह अर्धशतक शामिल रहे हैं। इस प्रकार उन्होंने एक विश्व कप संस्करण में सबसे अधिक रन बनाकर साल 2003 विश्व कप में सचिन तेंदुलकर के 673 रनों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही उन्होंने सेमीफाइनल में अपना 50वां एकदिवसीय शतक लगाया था।

भारत में अवसर नहीं मिलने के कारण अमेरिकी टीम से खेल रहे हरमीत

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। भारत के लिए 2 अंडर 19 विश्व कप खेलने के बाद भी भारतीय टीम में जगह नहीं बना पाये त

लोकसभा चुनाव परिणाम, ब्याज दर से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- चुनाव नतीजों के बाद विदेशी निवेशकों के रुख पर सभी की नजर रहेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह शेयर बाजार की दिशा आम चुनावों के नतीजों तथा ब्याज दर को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक के निर्णय से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। हालांकि, माना जा रहा है कि एग्जिट पोल में भाजपा की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को बड़ी जीत मिलने की उम्मीद और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के मजबूत आंकड़ों से सोमवार को शेयर बाजारों में तेजी देखने को मिल सकती है। एग्जिट पोल में शनिवार को भविष्यवाणी की गई है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार सत्ता बरकरार रखेंगे। मतगणना चार जून को होगी। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा ?कि अब सभी की निगाहें सबसे महत्वपूर्ण घटनाक्रम मंगलवार को आने वाले लोकसभा चुनाव के नतीजों पर हैं। इससे पहले, बाजार भागीदार एग्जिट पोल पर प्रतिक्रिया देंगे। उन्होंने कहा ?कि बाजार इसे सावधानी के साथ देख रहा है, और एग्जिट पोल के बाद बाजार में उछाल आ सकता है। हालांकि, नतीजे इसके ?विपरीत आने पर बाजार में कुछ घबराहट देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि चुनाव नतीजों के अलावा बाजार के लिए एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक है। एमपीसी की बैठक के नतीजे सात जून को आएंगे। मीणा ने कहा ?कि चुनाव नतीजों के बाद विदेशी निवेशकों के रुख पर सभी की नजर रहेगी। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिका और चीन के वृहद आर्थिक आंकड़े महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विनिर्माण और सेवा पीएमआई के मई के आंकड़े भी इसी सप्ताह आने हैं। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा एग्जिट पोल के नतीजे जो लगभग 360 सीटों के साथ राजग को स्पष्ट बढ़त दे रहे हैं, उनसे सोमवार को बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिल सकती है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े उम्मीद से बेहतर 8.2 प्रतिशत रहे हैं। इससे भी बाजार को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। एग्जिट पोल के साथ-साथ बाजार सोमवार को जीडीपी आंकड़ों पर भी प्रतिक्रिया देगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि अंतिम नतीजे भी एग्जिट पोल की तरह रहे, बाजार से अनिश्चितता दूर हो जाएगी। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,449 अंक टूटा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 426.4 अंक की गिरावट आई। सेंसेक्स 27 मई को 76,009.68 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा था। उसी दिन नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,110.80 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर गया था।

शेयर बाजार के बंटी और बबली पकड़े गए

- फ्रंट रनिंग से छापे नोट, लौटाना होगा पूरा पैसा और 40 लाख जुर्माना

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्टॉक मार्केट में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें फ्रंट रनिंग के जरिए भाई-बहनों ने गलत तरीके से पैसा कमाया। सेबी ने दोनों को शेयर बाजार से 3 साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया और उन्हें फ्रंट-रनिंग ट्रेडों में शामिल होने के लिए 1.67 करोड़ रुपये के गैरकानूनी लाभ का भुगतान करने का निर्देश दिया है। सेबी द्वारा प्रतिबंधित बाजार के ये बंटी और बबली गौरव देधिया और काजल सावला हैं। बाजार नियामक सेबी ने गौरव देधिया और काजल सावला को ना सिर्फ बाजार से प्रतिबंधित किया, पूरा पैसा लौटाने को कहा। इसके अलावा नियामक ने गौरव पर 25 लाख रुपये और काजल सावला पर 15 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बता दें ?कि शेयर बाजार में फ्रंट-रनिंग एक ऐसा अवैध तरीका है जिसमें कोई ब्रोकर या निवेशक कंपनी की अंदर की जानकारी और आगे होने वाली ट्रांजेक्शन का इस्तेमाल शेयरों में पैसा लगाने के लिए करते हैं। दरअसल कंपनी के हर फैसले का असर उसके शेयरों पर पड़ता है, ऐसे में ये लोग अच्छी खबरें, जिनकी वजह से शेयर का भाव ऊपर जा सकता है उसके बारे में पता लगाकर पहले पैसा लगा देते हैं और खबर सामने आने के बाद उस शेयर को बेचकर निकल जाते हैं। सेबी ने इस तरह की प्रैक्टिस को अवैध माना है। यह मामला आईडीबीआई कैपिटल एंड सिक्योरिटीज मार्केट्स लिमिटेड के पूर्व मुख्य डीलर गौरव देधिया द्वारा ढाई साल की अवधि में अपनी बहन काजल सावला के ट्रेडिंग खाते का उपयोग करने और उसकी सहायता करने से संबंधित है। यह आदेश भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के सर्विलांस सिस्टम द्वारा नवंबर 2020, दिसंबर 2020 और जनवरी 2021 के महीनों के दौरान काजल सावला के खिलाफ फ्रंट रनिंग अलर्ट सामने आने के बाद आया। इसके बाद नियामक ने नियमों के उल्लंघन का पता लगाने के लिए जनवरी 2019 से जुलाई 2022 की अवधि के दौरान सावला की ट्रेड एक्टिविटी की जांच की। सेबी ने अपनी जांच में पाया कि सावला स्टॉक ब्रोकर्स, सुशील फाइनेंशियल सर्विसेज और मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के माध्यम से कारोबार कर रही थीं।

चुनाव नतीजों का सोना-चांदी के भाव पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव सातवें चरण के लिए मतदान 1 जून 2024 को हुआ। चुनाव आयोग मतगणना प्रक्रिया के बाद 4 जून को लोकसभा चुनाव परिणाम 2024 की घोषणा करेगा। विश्लेषकों का मानना है कि लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे सीधे तौर पर सोने की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं। गौरतलब है ?कि 2019 में जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी सरकार सत्ता में लौटी तो सोने की कीमतें बढ़कर 35,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गईं। 2019 के लिए मिड-ईयर आउटलुक रिपोर्ट में वर्ल्ड ग्लोबल काउंसिल के विशेषज्ञों ने कहा कि कमजोर आर्थिक विकास से अल्पावधि में सोने की उपभोक्ता मांग कम हो सकती है। लेकिन भारत और चीन में संरचनात्मक आर्थिक सुधारों से दीर्घकालिक मांग को समर्थन मिलेगा। 2019 के चुनावों के बाद सोने की कीमतों में उछाल आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूसरे कार्यकाल के बाद 2020 में सोने की कीमतें 48,651 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गईं। 2021 में कोरोना महामारी के दौरान भी सोने की कीमतें इस स्तर पर स्थिर बनी रहीं। 2022 में सोने की कीमतें फिर से बढ़कर 52,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गईं। 2023 तक भाव 64,490 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गए। 2024 के चुनाव नतीजों से दो दिन पहले तक सोने की कीमतें 74,355 रुपये प्रति 10 ग्राम पर थीं। 2019 के चुनावों के संदर्भ में भारत ने 17वीं लोकसभा के सदस्यों का चयन करने के लिए 11 अप्रैल से 19 मई, 2019 तक आम चुनाव आयोजित किए। मतों की गिनती के बाद 23 मई को चुनाव परिणाम घोषित किए गए थे। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी ने 303 सीटें हासिल की थीं। जबकि कांग्रेस को सिर्फ 52 सीटों से संतुष्ट होना पड़ा था।

एफपीआई ने मई में शेयरों से 25,586 करोड़ निकाले

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोक चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता और चीन के बाजारों के बेहतर प्रदर्शन की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में घरेलू शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये ?निकाले हैं। यह मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के कारण अप्रैल के 8,700 करोड़ रुपये से अधिक के निकासी के आंकड़े से कहीं अधिक है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इससे पहले एफपीआई ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का निवेश किया था। वहीं जनवरी में उन्होंने शेयरों से 25,743 करोड़ रुपये की निकासी की थी। आम चुनाव के नतीजे चार जून को आने हैं। इससे निकट भविष्य में भारतीय बाजार में एफपीआई प्रवाह की दिशा तय होगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि मध्यम अवधि में अमेरिकी ब्याज दरें एफपीआई प्रवाह पर अधिक प्रभाव डालेंगी। अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन और विशेष रूप से वित्तीय और आईटी कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों के साथ राजनीतिक अनिश्चिता की वजह से एफपीआई भारतीय शेयरों से निकासी कर रहे हैं। इसके अलावा चीन के बाजारों के प्रति एफपीआई के आकर्षण की वजह से भी एफपीआई भारतीय शेयरों से पैसा निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा ?कि एफपीआई की बिकवाली का मुख्य कारण चीन के शेयरों का बेहतर प्रदर्शन रहा है। हैंग सेंग सूचकांक मई की पहले पखवाड़े में आठ प्रतिशत चढ़ा है। उन्होंने कहा कि एफपीआई की बिकवाली की एक और वजह अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल का बढ़ना है। जब भी अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड पर प्रतिफल 4.5 प्रतिशत से ऊपर जाता है, एफपीआई भारत जैसे उभरते बाजारों में बिकवाली करते हैं और अपना निवेश बॉन्ड में लगाते हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 8,761 करोड़ रुपये डाले हैं। इससे पहले विदेशी निवेशकों ने मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था।कुल मिलाकर 2024 में एफपीआई अबतक शेयरों से 23,364 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने बॉन्ड बाजार में 53,669 करोड़ रुपये डाले हैं।

वर्ष 2023-24 में भारत को सिंगापुर से मिला सबसे ज्यादा एफडीआई

- देश में विदेशी निवेश के प्रवाह में 3.5 प्रतिशत की गिरावट आई

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत को बीते वित्त वर्ष 2023-24 में सिंगापुर से सबसे अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्राप्त हुआ है। हालांकि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश में विदेशी निवेश के प्रवाह में 3.5 प्रतिशत की गिरावट आई है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि, 2023-24 में सिंगापुर से एफडीआई प्रवाह 31.55 प्रतिशत घटकर 11.77 अरब डॉलर पर आ गया है, लेकिन आंकड़ों से पता चलता है कि भारत ने सिंगापुर से सबसे अधिक निवेश आकर्षित किया है। पिछले वित्त वर्ष के दौरान मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), केमैन आइलैंड, जर्मनी और साइप्रस सहित प्रमुख देशों से एफडीआई इक्विटी प्रवाह में कमी आई। हालांकि, नीदरलैंड और जापान से निवेश बढ़ा है। वित्त वर्ष 2018-19 से सिंगापुर, भारत के लिए ऐसे निवेश का सबसे बड़ा स्रोत रहा था। 2017-18 में भारत ने मॉरीशस से सबसे ज्यादा एफडीआई आकर्षित किया था। विशेषज्ञों के अनुसार भारत-मॉरीशस कर संधि में संशोधन के बाद सिंगापुर, भारत में निवेश के लिए पसंदीदा क्षेत्र के रूप में उभरा है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि दुनिया के प्रमुख वित्तीय केंद्रों में से एक के रूप में सिंगापुर उन वैश्विक निवेशकों को आकर्षित करता है जो एशिया में निवेश करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि 2024-25 के उत्तरार्ध में भारत में एफडीआई में तेजी आएगी। उन्होंने कहा ?कि सिंगापुर और मॉरीशस ऐसे क्षेत्र हैं जिनका उपयोग वैश्विक निवेशक भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में अपना पैसा लगाने के लिए करते हैं।

एयर इंडिया की दिल्ली-वैंकूवर उड़ान 22 घंटे देरी से रवाना हुई

मुंबई (ईएमएस)। ?विमानर कंपनी एयर इंडिया की वैंकूवर को एक जून को जाने वाली उड़ान शनिवार सुबह 5.30 बजे के बजाय रविवार सुबह लगभग 22 घंटे की देरी के बाद 3.15 बजे रवाना हुई। बताया जा रहा है ?कि तकनीकी समस्या के कारण एयरलाइन की उड़ान को पुनर्निर्धारित करना पड़ा। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान में कहा ?कि एआई 185 की उड़ान में तकनीकी मसले के कारण और बाद में चालक दल के अनिवार्य उड़ान डयूटी समयसीमा के तहत आने के कारण देरी हुई। पिछले एक सप्ताह में यह कम से कम तीसरी मौका था जब एयर इंडिया की लंबी दूरी की उड़ानों को किसी न किसी कारण से अत्यधिक देरी का सामना करना पड़ा। इससे पहले एयरलाइन की दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को उड़ान जिसे गुरुवार को लगभग 3:30 बजे प्रस्थान करने था, अगले दिन 9:55 बजे रवाना हुई थी। इसमें लगभग 30 घंटे का विलंब हुआ था।

उड़ान में देरी के कारण यात्रियों को हुई परेशानी के बावजूद टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया था। हालांकि शनिवार को एयरलाइन ने इसको लेकर खेद जताया और बोइंग 777 विमान की एयर कंडीशनिंग प्रणाली के काम न करने सहित कई कारकों के कारण सैन फ्रांसिस्को उड़ान के भारी विलंब के लिए प्रत्येक यात्री को 350 अमेरिकी डॉलर का यात्रा वाउचर देने की पेशकश की।

एग्जिट पोल बेकार की बात, समय बर्बाद न करें : प्रशांत किशोर

नई दिल्ली,(ईएमएस)। देश के जाने-माने राजनीतिक विश्लेषक प्रशांत किशोर ने एग्जिट पोल को बेकार समय बर्बाद करने वाली चीज करार दिया है। उनकी प्रतिक्रिया इसलिए भी खास हो जाती है क्योंकि अधिकांश एग्जिट पोल्स भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की भारी जीत का दावा कर रहे हैं।

असल में आम चुनाव के अंतिम चरण के मतदान बाद शनिवार शाम को प्रशांत किशोर ने जनता से चुनावी मौसम के दौरान फर्जी पत्रकारों, बड़बोले राजनेताओं व स्व-घोषित राजनीतिक विशेषज्ञों द्वारा बेकार की बातों और विश्लेषण पर अपना कीमती समय बर्बाद न करने की सलाह दी है। प्रशांत किशोर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा है कि अगली बार चुनाव और राजनीति की बात हो तो अपना क़ीमती वक़्त ख़ाली बैठे फ़र्ज़ी पत्रकार, बड़बोले नेताओं और सोशल मीडिया के स्वयंभू विशेषज्ञों की फ़िज़ूल बातों और विश्लेषण पर बर्बाद मत करिएगा। प्रशांत किशोर की इस पोस्ट के बाद लोग सवाल कर रहे हैं कि क्या उनकी अपनी भविष्यवाणी गलत साबित होने जा रही है, जिसमें उन्होंने एनडीए को 270 और 370 के बीच सीट मिलने की बात कही थी। अगर ऐसा होता है तो फिर तमाम एग्जिट पोल्स गलत साबित हो जाएंगे और इंडिया अप्रत्याशित गोदी मीडिया के अनुसार सरकार बनाने के लिए तैयार नजर आएगा।

3 जून को सौर मंडल धरती से आएगा नजर,6ग्रह एक सीधी रेखा में दिखाई देंगे

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अगले सप्ताह आसमान में दुर्लभ चमत्कार देखने को मिल सकता है। 3 जून को सौर मंडल धरती से नजर आएगा और 6 ग्रह एक सीधी रेखा में दिखाई देंगे। आप धरती से इस अद्भुत नजारे को देख पाएंगे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बुध, मंगल, बृहस्पति, शनि, नेपच्यून और यूरेनस इस परेड में शामिल होंगे। ऐसा तभी होता है, जब सारे ग्रह सूर्य के एक ही ओर जमा हो जाते हैं।

आसमान में इस दुर्लभ नजारे को देखने के लिए सोमवार की सुबह आपको दूरबीन लेकर तैयार रहना चाहिए। वारविक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डैनी स्टीघ ने कहा, यह घटना दुनिया भर में दिखाई देगी। सूर्योदय के आसपास यह अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा। इसे ठीक से देखने के लिए कुछ उपकरणों की जरूरत होगी। यूरेनस और नेपच्यून धुंधले नजर आएंगे, इसलिए इन ग्रहों को देखने के लिए अच्छी दूरबीन की जरूरत होगी। बृहस्पति और बुध की सूर्य से निकटता के कारण उनकी चमक काफी कम दिखाई देगी। प्रोफेसर डैनी के मुताबिक, कुछ ग्रह नंगी आंखों से दिखाई दे सकते हैं। लेकिन बिखरी हुई रोशनी अभी भी मुश्किलें पैदा कर सकती हैं। मंगल और शनि को देखना ज़्यादा आसान होगा। आप उन्हें दूसरे ग्रहों से पहले और आसमान में थोड़ा ऊपर देख सकते हैं। नासा का मोबाइल ऐप आपको यह बताने में मदद कर सकता है कि आपको इसे कब और कहां से देखना है। सभी ग्रह डायग्नल अरेंजमेंट में दिखाई देंगे, जिसमें शनि सबसे ऊपर रहेगा। उसके बाद नेपच्यून, फिर मंगल, यूरेनस और बुध होंगे। बृहस्पति क्षितिज के सबसे करीब दिखाई देगा।

वारविक विश्वविद्यालय के ही डॉ ग्रांट कैनेडी ने कहा, हम सूर्य को दोनों गोलार्धों में देखते हैं और ये ग्रह सूर्य से बहुत अधिक दूर नहीं हैं। इसीलिए साउथ के देशों में रहने वाले लोगों के लिए इस दुर्लभ नजारे को देखने के सबसे ज्यादा मौके होंगे। आप जानकर और खुश होंगे कि यह परेड एक दिन या एक पल के लिए नहीं होगी, बल्कि कई दिनों तक ऐसा नजारा आपको दिखेगा। अगस्त और जनवरी 2025 में भी इन्हें आप देख पाएंगे। इसके बाद अगले साल फरवरी में सात ग्रह एक सीध रेखा में नजर आएंगे। कैनेडी ने कहा, अगले कुछ सालों में ऐसी ही कई घटनाएं होंगी क्योंकि बाहरी ग्रह काफी धीमी गति से चलते हैं और पृथ्वी काफी तेज़ गति से।

फुटबॉल मैच में सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने पर 50 गिरफ्तार

लंदन,(ईएमएस) । लंदन के वेम्बली स्टेडियम में यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल में सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में 50 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वेम्बली स्टेडियम में शनिवार को रियल मैड्रिड और बोरूसिया डॉर्टमुंड के बीच चैंपियंस लीग फुटबॉल मैच खेल गया, जो रियल मैड्रिड टीम ने जीता। पांच पिच पर आक्रमण के लिए और अधिकांश अन्य सुरक्षा उल्लंघन के प्रयासों के लिए पुलिस ने 53 लोगों को गिरफ्तार किया है।

4 जून को एग्जिट होने वाले व्यक्ति ने ही मैनेज करवाए ये एग्जिट पोल्स

नई दिल्ली,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव का आखिरी चरण शनिवार को सम्पन्न हो गया। मतदान के बाद आए एग्जिट पोल को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा-जिस व्यक्ति का 4 जून को एग्जिट होना तय है, उसने ये एग्जिट पोल्स मैनेज करवाए हैं। इंडिया गठबंधन को निश्चित रूप से कम से कम 295 सीटें मिलेंगी। बिल्कुल स्पष्ट और निर्णायक बहुमत।

उन्होंने कहा कि निवर्तमान प्रधानमंत्री इस बीच तीन दिनों तक निश्चिंत रह सकते हैं। ये सब मनोवैज्ञानिक खेल है, जिनमें उन्होंने महारत हासिल कर ली है, लेकिन वास्तविक परिणाम इनसे बहुत अलग होंगे। बदलेगा भारत, जीतेगा इंडिया। इससे पहले विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलांयस (इंडिया) के घटक दलों के नेताओं ने शनिवार को अनौपचारिक बैठक कर लोकसभा चुनाव की मतगणना से जुड़ी तैयारियों और रणनीति चर्चा की और दावा किया कि गठबंधन को 295 से ज्यादा सीटें हासिल होंगी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर हुई इस बैठक में फैसला किया गया कि विपक्षी गठबंधन के घटक दल एग्जिट पोल से जुड़ी टेलीविजन चैनलों की चर्चाओं में भाग लेंगे ताकि बीजेपी और उसके तंत्र को बेनकाब किया जा सके। विपक्षी गठबंधन ने यह भी तय किया कि अपने स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को यह निर्देश देंगे कि चार जून को मतगणना से जुड़ी पूरी प्रक्रिया संपन्न होने तक और जीत का प्रमाण मिलने तक मतगणना केंद्रों पर मौजूद रहे।

इंडिया गठबंधन ने चुनाव आयोग से रविवार को मुलाकात का समय मांगा ताकि मतगणना से जुड़े विषयों और शिकायतों को उनके सामने रखने के साथ समाधान की मांग भी कर सकें।

गंदगी पर उतारु उत्तर कोरिया, मलमूत्र से भरे सैकड़ों गुब्बारे भेज रहा दक्षिण कोरिया

सियोल(ईएमएस)। उत्तर कोरिया अपनी हरकतों के बाज नहीं आ रहा है। वो दक्षिण कोरिया में मलमूत्र से भरे सैकड़ों गुब्बारे भेज उतार रहा है। इस पर दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा है कि उत्तर कोरिया भारी सुरक्षा वाली सीमा पर गंदगी ले जाने वाले और अधिक गुब्बारे भेज रहा है। उत्तर कोरिया ने इस सप्ताह की शुरुआत में कचरा और मलमूत्र से भरे सैकड़ों गुब्बारे भेजे थे। उन्हें ईमानदारी का उपहार कहा था। साथ ही और अधिक भेजने की कसम खाई थी। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्री शिन वोन-सिक ने शनिवार को इसे अकल्पनीय रूप से तुच्छ और निम्न-स्तरीय व्यवहार बताया। दक्षिण कोरिया ने सार्वजनिक संदेश में जनता से सियोल के पास इस तरह के गुब्बारों को छूने से परहेज करने और उनकी रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अन्य क्षेत्रीय सरकारों को भी इसी तरह के संदेश प्रसारित करने के लिए कहा गया है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया की ओर और अधिक कचरा ढोने वाले गुब्बारे छोड़े हैं। इसे लेकर सियोल ने लोगों को चेतावनी जारी की है। साथ ही कहा है कि इससे सुरक्षित रहें और इसकी सूचना सेना या पुलिस को दें।

लड़खड़ाते हुए जीता वेस्टइंडीज, पीएनजी को 5 विकेट से दी मात

नई दिल्ली। पापुआ न्यू गिनी की टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 की विजयी शुरुआत तो नहीं कर सकी लेकिन उसने वेस्टइंडीज जैसी टीम को दबाव में जरूर डाल दिया। विंडीज ने किसी तरह रोस्टन चेज की पारी के दम पर इस मैच में पीएनजी को पांच विकेट से हरा दिया। लेकिन उसे जीत आसानी से नहीं मिली। इसके लिए उसे पसीना बहाना पड़ा। वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पावेल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पीएनजी ने 20 ओवरों में आठ विकेट खोकर 135 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने ये स्कोर 19 ओवरों में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया।

पीएनजी को जिस तरह की शुरुआत मिली थी उससे लगा था कि ये टीम 100 के पार भी नहीं जा पाएगी लेकिन पीएनजी ने सेसे बाऊ की बल्लेबाजी के दम पर दमदार वापसी की और सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। बल्लेबाजी के बाद पीएनजी ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। दो बार की चैंपियन वेस्टइंडीज से पहले मैच में जिस तरह के खेल की उम्मीद थी वो खेल दिखा नहीं। हालांकि ये टीम जीत हासिल करने में सफल रही। पीएनजी ने पहले मैच में अपने खेल से प्रभावित किया और वेस्टइंडीज को दबाव में ला दिया। एक समय लग था कि पीएनजी उलटफेर कर सकता है लेकिन रोस्टन चेज और आंद्रे रसेल ने उसे एक ओवर पहले जीत दिला दी।

पीएनजी की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने अपने शुरुआती चार विकेट 50 रनों पर ही खो दिए थे। लेकिन इसके बाद एडम गिलक्रिस्ट के फैन सेसे बाऊ ने पैर जमाए और अर्धशतक जमाते हुए टीम को संकट से बाहर निकाला। बाऊ ने 43 गेंदों पर 50 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में एक छक्का और छह चौके मारे। अंत में किपलिन डोरिगा ने 18 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से नाबाद 27 रन बनाए।

वेस्टइंडीज की तरफ से रसेल और अल्जारी जोसेफ ने दो-दो विकेट लिए। अकील हुसैन, रोमारियो शेफर्ड और गुडकेश मोती ने एक-एक विकेट लिया। वेस्टइंडीज के पास एक से एक तूफानी बल्लेबाज हैं और इसलिए उम्मीद थी कि ये टीम आसानी से टारगेट हासिल कर लेगी। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। जॉन्सन चार्ल्स बिना खाता खोले आउट हो गए।

हूती विद्रोहियों का लाल सागर-हिंद महासागर में बड़ा हमला ,अमेरिकी जहाजों के खिलाफ 6 ऑपरेशन चलाए

काहिरा(ईएमएस)। यमन में ईरान समर्थक हूती विद्रोही लाल सागर और हिंद महासागर में अमेरिकी जहाजों को निशाना बना रहे है। हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सारी ने बताया कि एक अमेरिकी विमानवाहक पोत, एक युद्धपोत समेत और तीन जहाजों को निशाना बनाकर छह ऑपरेशन चलाए गए थे।

याह्या ने आगे बताया कि लाल सागर के उत्तर में अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर आइजनहावर पर हूती विद्रोहियों ने मिसाइल और ड्रोन से अटैक किया। उन्होंने कहा कि एयरक्राफ्ट पर पिछले 24 घंटे में दो बार अटैक किया गया। इसके अलावा लाल सागर में एक युद्धपोत और अबलियानी जहाज को निशाना बनाया गया। साथ ही मैना जहाज को भी लाल सागर और अरब सागर में दो बार निशाना बनाया। अबलियानी जहाज से तेल का व्यापार होता है और मैना जहाज में पैसेंजर के साथ सामान एक देश से दूसरे देश जाते हैं। हूती विद्रोहियों लगातार जहाजों को निशाना बनाकर इजराइल पर युद्ध को खत्म करने दबाव बना रहे हैं। हूती विद्रोहियों के प्रवक्ता याह्या सारी ने बताया कि हिंद महासागर में अलोराईक जहाज को भी निशाना बनाया गया। साथ ही लाल सागर में मौजूद अल-मंदाब जलडमरूमध्य और अदन की खाड़ी में भी मिसाइल और ड्रोन से हमला किया गया। इन सब अटैक से बचने के लिए नवंबर से दुनियाभर के कमर्शियल जहाजों को लाल सागर के बदले अफ्रीका से होते हुए जा रहे है।

इजराइल को टारगेट करना चाहते हैं हूती विद्रोही

पिछले महीने हूती विद्रोहियों ने लाल सागर और उसके आसपास 100 से ज्यादा हमले किए हैं। फरवरी में हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में एक कार्गो शिप गैलेक्सी लीडर को हाईजैक कर लिया था। यह जहाज तुर्किये से भारत आ रहा था। हूती विद्रोहियों ने इसे इजराइली जहाज समझ कर हाईजैक किया था। वारदात से पहले हूती समूह ने इजराइली जहाजों पर हमले की चेतावनी दी थी। हूती विद्रोहियों के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा था कि इजराइल की तरफ से चलने वाले सभी जहाजों को निशाना बनाया जाएगा।

मणिपुर के शरणार्थी मिजोरम में दाने-दाने को मोहताज

आइजोल (ईएमएस)। मिजोरम की राजधानी आइजोल से 15 किलोमीटर दूर बने शरणार्थी शिविर में मणिपुर के शरणार्थी दाने-दाने को मोहताज हैं। मणिपुर में मई 2023 में हुई हिंसा के बाद लगभग 35 हजार शरणार्थी मिजोरम पहुंचे थे। इन्हें कई शरणार्थी शिवरों में रखा गया है। मणिपुर छोड़कर आए हुए शरणार्थियों को यहां रहते हुए लगभग 1 साल का समय होने जा रहा है।

जब यह शरणार्थी मिजोरम पहुंचे थे। तब सरकार ने एक माह तक इन्हें खाना इत्यादि खिलाया था। उसके बाद 3 महीने तक राशन दिया गया। अब वह भी बंद कर दिया गया है। मिशनरियों द्वारा शरणार्थी शिवरों में राहत सामग्री भेजी जा रही है। उनके पास भी सीमित संसाधन है। 16000 से अधिक मणिपुर के नागरिक मिजोरम में मजदूरी करके शरणार्थी शिवरों में रहते हुए किसी तरह अपने बच्चों का जीवन यापन कर रहे हैं।

मिजोरम सरकार को यह भी पता नहीं है, कि मणिपुर के कितने शरणार्थी कहां रह रहे हैं। राज्य में पिछले 6 महीने से नई सरकार काम कर रही है। राज्य सरकार द्वारा इसकी जानकारी केंद्र सरकार को नहीं दी गई है। जिसके कारण शरणार्थियों को ना तो राज्य सरकार से मदद मिल रही है।

नाटो का एशिया-प्रशांत संस्करण बनाने की कोशिश कर रहा अमेरिका- चीन के शीर्ष रक्षा अधिकारी का बड़ा बयान

बीजिंग (ईएमएस)। चीन के एक शीर्ष रक्षा अधिकारी ने दावा किया है कि अमेरिका, नाटो का एशिया प्रशांत संस्करण बनाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि उसकी यह स्वार्थी कोशिश सफल नहीं होगी। चीन की सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के जॉइंट स्टाफ विभाग के डिप्टी चीफ लेफ्टिनेंट जनरल जिंग जियानफेंग ने यह बड़ा दावा किया है। लेफ्टिनेंट जियानफेंग का यह दावा अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के शंगरी ला डायलॉग में दिए गए भाषण के जवाब में सामने आया है।

शंगरी ला डायलॉग में अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने एशिया प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने और सहयोग मजबूत करने की बात कही थी। शंगरी ला डायलॉग एशिया का प्रमुख रक्षा सम्मेलन है। ऑस्टिन के भाषण के जवाब में लेफ्टिनेंट जनरल जिंग ने चेताया कि अगर क्षेत्रीय देश अमेरिका की हिंद प्रशांत रणनीति पर हस्ताक्षर करते हैं तो वे अमेरिका के युद्ध रथ का हिस्सा बनने के लिए मजबूर होंगे और उन्हें अमेरिका के लिए गोलियां खानी होंगी। उन्होंने कहा कि ऑस्टिन की टिप्पणी सुनने में अच्छी लगती है, लेकिन यह सही नहीं है और इसे सिर्फ अमेरिका के भू-राजनैतिक हितों को साधने के लिए बनाया गया है और ये असफल होने के लिए अभिशप्त है।

अमेरिका के आधिपत्य को कायम रखना उद्देश्य

चीनी सैन्य अधिकारी ने कहा कि इस पूरी नीति का उद्देश्य अमेरिका के आधिपत्य को कायम रखना है। नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (नाटो) एक अंतरसरकारी सैन्य गठबंधन है। जिसमें 32 देश सदस्य हैं। इनमें से 30 देश यूरोपीय और दो देश उत्तरी अमेरिकी हैं। नाटो के किसी भी सदस्य देश पर हमले को पूरे गठबंधन पर हमला माना जाता है और सभी सदस्य देश मिलकर उस हमले का जवाब देते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल जिंग ने कहा कि अमेरिका की एशिया प्रशांत रणनीति बंटवारे और संघर्ष को बढ़ावा दे रही है। उल्लेखनीय है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में हिंद महासागर, पश्चिमी और मध्य प्रशांत महासागर और दक्षिण चीन सागर भी शामिल है।

125 मृतक शरीर से 30 घंटे के अंदर स्पर्म को प्रिजर्व करने में मिली एम्स को सफलता

भोपाल (ईएमएस)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल एम्स ने दुर्घटना इत्यादि में मौत होने पर उनके मृत शरीर को ड्रीप फ्रीजर में रख

एग्जिट पोलः गुजशत में सभी २६ सीटों पश जीत की हैट्रिक लगा शही भाजपा

गुजशत में एग्जिट पोल के उलट आएंगे नतीजेः कांग्रेस, ज्यादातश पोल में आम आदमी पार्टी-कांग्रेस के गठबंधन का गुजशत में खाता खुलता नहीं दिख शहा

अहमदाबाद, ०२ जून ।

गुजशत से जुड़े सात में से पांच एग्जिट पोल भाजपा को सभी २६ सीटें देते दिखाई दे शहे हैं। दो पोल ने कांग्रेस को एक-एक सीट दी है। एक पोल ने आम आदमी पार्टी को दो सीटें दी हैं। लोकसभा चुनाव के सातवें चशण के मतदान के संपन्न होने के साथ ही शनिवाश शाम से एग्जिट पोल आने शुरू हो गए हैं। एग्जिट पोल में इस बाश भी गुजशत में भाजपा क्लीन स्वीप कशती दिखाई दे शही है। एग्जिट पोल की मानें तो गुजशत में भाजपा को इस बाश भी २६ की २६ सीटों पश जीत मिलने वाली है। वह जीत की हैट्रिक लगाती दिख शही है। २०१४ औश २०१९ में भाजपा ने सभी २६ सीटें जीती थीं।

सात एग्जिट पोल में से पांच में भाजपा को सभी २६ सीटें दी जा शही हैं, जबकि दो एग्जिट पोल भाजपा को २५ सीटें औश कांग्रेस को एक - एक सीट दे शहे हैं। ज्यादातश पोल में आम आदमी पार्टी-कांग्रेस के गठबंधन का गुजशत में खाता खुलता नहीं दिख शहा। एक एग्जिट पोल ने आम आदमी पार्टी को दो सीटें दी हैं।

इंडिया टुडे एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल के तहत गुजशत में भाजपा को २६ में से २५ सीटें मिल सकती हैं। उसे एक सीट का नुकसान होता दिखाई दे शहा है। यह एक सीट कांग्रेस के खाते में जाती नजश आ शही है। आम आदमी पार्टी का खाता नहीं खुलेगा।

एबीपी-सी वोटश के एग्जिट पोल में भी कुछ ऐसे ही नतीजे सामने आ शहे हैं। इसमें भी गुजशत में भाजपा को २६ में से २५ सीट औश कांग्रेस को एक सीट मिल शही है। आम आदमी पार्टी को एक भी सीट नहीं मिलेगी।

न्यूज १८ के सर्वे में भाजपा को कोई नुकसान नहीं हो शहा है। सभी २६ की २६ सीटें इस बाश भी भाजपा गुजशत में जीतती दिखाई दे शही है।

इंडिया टीवी सीएनएक्स के एग्जिट पोल के तहत गुजशत में भाजपा को सभी २६ सीटें मिलेंगी। कांग्रेस औश आम आदमी पार्टी का खाता नहीं खुलेगा।

टीवी ९ पोल स्टार्ट के एग्जिट पोल के तहत भी गुजशत में भाजपा इस बाश भी क्लीन स्वीप कशते हुए सभी २६ सीटों पश विजय पताका फहशाएगी। कांग्रेस औश आम आदमी पार्टी को एक भी सीट नहीं मिलेगी।

टाइम्स नाउ-ईटीजी के एग्जिट पोल में भी भाजपा गुजशत में सभी २६ सीटों पश जीत की हैट्रिक लगा शही है। कांग्रेस को इस बाश भी निशशा हाथ लगने वाली है। आम आदमी पार्टी को भी दो में से एक भी सीट नहीं मिलने वाली है।

टूडे चाणक्य के एग्जिट पोल के अनुसाश गुजशत में भाजपा को २६ में से २४ सीटें मिलेंगी। भाजपा को दो सीटों का नुकसान हो सकता है। यह दो सीटें कांग्रेस की जगह आम आदमी पार्टी को मिलती दिखाई दे शही हैं।

गुजशत प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता व मुख्य संयोजक डॉ. मनीष दोशी ने कहा कि एग्जिट पोल में जो वोट प्रतिशत दिखा शहे हैं। वह कांग्रेस औश कांग्रेस के प्रत्याशियों के पक्ष में पड़ा वोट है। जनता ने कांग्रेस प्रत्याशियों को वोट भी दिए हैं औश नोट भी दिए हैं। कांग्रेस की शैलियों, जनसभाओं में भाशी भीड़ उमड़ी। वर्ष २००९ का जो पशिणाम गुजशत में आया था, वही पशिणाम इस बाश के चुनाव में भी मिलने जा शहा है। एग्जिट पोल के उलट असली नतीजे आएंगे। कांग्रेस के प्रत्याशियों को जीत मिलेगी।

गुजशत प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता यमल व्यास ने कहा कि एग्जिट पोल में हमाशे दावों पश मुहश लगती दिखाई दे शही है। देश में एक बाश फिश प्रधानमंत्री नशेन्द्र मोदी की अगुवाई में तीसशी बाश सशकाश बनने जा शही है। गुजशत के लगभग सभी पोल गुजशत में सभी २६ सीटें भाजपा को मिलती बता शहे हैं। हम शेकॉर्ड मतों से जीतेंगे। यह पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं ,नेताओं की मेहनत का पशिणाम है। मोदी के प्रति गुजशत के जनता का स्नेह है।

प्रथम ज्योतिर्लिंग के दर्शन कशने पहुंचे अमित शाह

सनातन संस्कृति के गौशव के प्रतीक हैं श्री सोमनाथ : शाह

बाबा सोमनाथ के दर्शन व पूजन-अर्चन कश सभी के कल्याण व भाशत की निशंतश समृद्धि की कामना की

अहमदाबाद, ०२ जून ।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भगवान सोमनाथ सनातन संस्कृति में गौशव के प्रतीक हैं। शाह ने कहा कि उन्होंने शुक्रवाश को गुजशत में भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग मंदिश में पूजा-अर्चना कशते हुए सभी की समृद्धि की कामना की। मंदिश का प्रबंधन कशने वाले श्री सोमनाथ ट्रस्ट के न्यासियों में से एक अमित शाह ने ध्वज पूजा की थी।केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भगवान सोमनाथ सनातन संस्कृति में गौशव के प्रतीक हैं। शाह ने कहा कि उन्होंने गुजशत में भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग मंदिश में पूजा-अर्चना कशते हुए सभी की समृद्धि की कामना की।

मंदिश का प्रबंधन कशने वाले श्री सोमनाथ ट्रस्ट के न्यासियों में से एक अमित शाह ने शुक्रवाश शाम को 'ध्वज पूजा' की थी। अनुष्ठान के बाद ध्वज मंदिश के शीर्ष पश फहशाया था।अमित शाह ने शनिवाश को एक्स पश पोस्ट किया, जय श्री सोमनाथ।

प्रथम ज्योतिर्लिंग श्री सोमनाथ महादेव अविश्ल, अमिट औश अडिग सनातन संस्कृति के गौशव प्रतीक हैं। ये हमें अनेक संघर्षों के बाद भी दृढ़ शहने की प्रेशणा देते हैं। बाबा सोमनाथ के दर्शन व पूजन-अर्चन कश सभी के कल्याण व भाशत की निशंतश समृद्धि की कामना की। भाजपा ने कहा कि गांधीनगश के सांसद अमित शाह ने जिलाधिकाशी को गांधीनगश क्षेत्र में हैजा के प्रसाश को शोकने के लिए आवश्यक निवाशक उपाय कशने का निर्देश दिया।

स्पेशल कोर्ट ने 'हश हाल में' ७ जुलाई को पेश होने का दिया निर्देश

वडोदश , ०२ जून ।

विज्ञापनों में कांग्रेस पार्टी ने आशेप लगाया था कि भाजपा (उस समय शज्य में सत्ता में थी) सार्वजनिक कार्यों के निष्पादन के लिए ठेकेदाशों औश अन्य लोगों से ४० प्रतिशत तक कमीशन/शिश्वत ले शही थी। भाजपा ने अपनी शिकायत में कांग्रेस नेताओं पश तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवशज बोम्मई सहित अपनी पार्टी के सदस्यों को निशाना बनाकश झूठे विज्ञापन फैलाने का आशेप लगाया है।

कांग्रेस नेता शहुल गांधी को अदालत ने शनिवाश को भाशतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वाश उनके खिलाफ दायश मानहानि के मामले में ७ जून को 'बिना नागा' व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। विशेष अदालत ने शहुल गांधी को शनिवाश को पेश होने से छूट देते हुए यह निर्देश दिया है। अदालत ने कहा, ''यह स्पष्ट किया जाता है कि आशेपी नंबश ४ अगली सुनवाई की ताशीख पश 'बिना गैशहाजिश' हुए इस अदालत के समक्ष पेश होगा। आशेपी नंबश ४ की उपस्थिति के लिए ७ जून को बुलाया गया है।'' आज सुनवाई के दौशान गांधी के वकील ने इंडी गठबंधन की बैठक में भाग लेने के काशण उनकी उपस्थिति से छूट मांगी। कोर्ट ने उन्हें आज उपस्थिति से छूट दी, लेकिन आदेश दिया कि वे ७ जून को हश हाल में उपस्थित शहें।

गौशतलब है कि भाजपा नेता केशव प्रसाद ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धाशमैया, उपमुख्यमंत्री शिवकुमाश औश कांग्रेस नेता शहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दायश किया था, जिसमें २०२३ के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौशान कांग्रेस पार्टी के विज्ञापनों औश प्रचाश नाशों पश आपत्ति जताई गई थी। विज्ञापनों में कांग्रेस पार्टी ने आशेप लगाया था कि भाजपा (उस समय शज्य में सत्ता में थी) सार्वजनिक कार्यों के निष्पादन के लिए ठेकेदाशों औश अन्य लोगों से ४० प्रतिशत तक कमीशन/शिश्वत ले शही थी। भाजपा ने अपनी शिकायत में कांग्रेस नेताओं पश तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवशज बोम्मई सहित अपनी पार्टी के सदस्यों को निशाना बनाकश झूठे विज्ञापन फैलाने का आशेप लगाया है ।

इससे पहले आज, ४२वें अतिशिक्तमुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धाशमैया औश उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमाश को ५,००० रुपये के जमानत बांड जमा कशने की शर्त पश मामले में जमानत दे दी थी। चूंकि गांधी उपस्थित नहीं हुए, इसलिए उनकी याचिका पश ७ जून को सुनवाई होगी ।

राष्ट्रविरोधी गतिविधियों की रोकथाम और सुरक्षा कारणों से द्वारका के 21 टापुओं पर प्रवेश लगी रोक

देवभूमि द्वारका (ईएमएस) राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को रोकने और सुरक्षा कारणों से देवभूमि द्वारका के निर्जन द्वीप पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया द्वारका में विश्व प्रसिद्ध द्वारकाधीश का मंदिर है और इसी जिले में शिवराजपुर बीच भी है, जहां साल के 12 महीने सैलानी आते हैं द्वारकाधीश मंदिर और शिवराजपुर बीच ही नहीं बल्कि जिले के अन्य कई सुंदर बिच पर्यटकों में होट फेवरिट हैं लेकिन अब सैलानी देवभूमि जिले के 21 टापुओं पर नहीं जा पाएंगे, क्योंकि जिला प्रशासन ने प्रवेश पर रोक लगा दी हैं देवभूमि द्वारका के अतिरिक्त जिलाधीश ने अधिसूचना जारी कर 21 टापुओं पर प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया हैं अतिरिक्त जिलाधिकारी की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक देवभूमि द्वारका जिले की खंभालिया तहसील के अधीन धानी उर्फ डनी, गांधियोकडो, कालूभार, रोजी, पानेरो, कल्याणपुर तहसील के अधीन गडु, सानबेली, खीमरोघाट, द्वारका तहसील के अधीन आशाबापीर, भैदर, चांक, धबधबोटापू, दीवडी, सामियाणी, नोरू, मान मरूडी, लेफा मरूडी, लंधा मरूडी, कोठानुं जंगल, खारा मीठा चुष्णा, कुडचली समेत टापुओं पर संबंधित अधिकारी की मंजूरी के बगैर 2 नवंबर 2024 तक प्रवेश पर रोक लगा दी गई हैं इन 21 निर्जन टापुओं पर कोई भी व्यक्ति धार्मिक प्रवृत्ति के नाम पर राष्ट्रविरोधी गतिविधियां ना कर पाए इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त कर दी गई हैं

10 लाख कीमत की एमडी ड्रग्स समेत बाइक सवार गिरफ्तार

सूरत (ईएमएस) एलसीबी पुलिस ने शहर के कदम भवन के निकट बाइक सवार दो शख्सों को उस समय दबोच लिया, जब दोनों एमडी ड्रग्स सप्लाई करने जा रहे थे पुलिस ने आरोपियों के पास से रु. 10 लाख से अधिक कीमत के ड्रग बरामद कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

जानकारी के मुताबिक सूरत एलसीबी को सूचना मिली थी कि मजूरा गेट क्षेत्र के नानपुरा गांधी स्मृति भवन के सामने स्थित कदम भवन की गली से दो शख्स मोटर साइकिल पर एमडी ड्रग्स लेकर गुजरने वाले हैं सूचना के आधार पर एलसीबी ने कदम भवन के निकट निगरानी पढ़ा दी उस वक्त वहां से गुजर रही ब्लैक कलर की बाइक सवार दो शख्सों की तलाशी ली तलाशी में 100.60 ग्राम प्रतिबंधित एमडी ड्रग्स बरामद होने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया

गिरफ्तार आरोपियों में बिट्टू सुबोध पांडे है जो बिहार के औरंगाबाद जिले का मूल निवासी है और वर्तमान में सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के वडोद गांव में रहता हैं दूसरा आरोपी प्रशांत जयराम प्रजापति है जो सूरत के पांडेसरा क्षेत्र के गणेशनगर में रहता है और उत्तर प्रदेश का मूल निवासी हैं पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

ट्रैफिक जवान ने १० साल के बेटे को दिया जहश, गला दबाकश की हत्या

हत्या कशने वाले पिता की उम्र ३७ साल बताई जा शही है, बेटे के शव को ट्रैफिक चौकी के यूटिलिटी रूम में फेंक दिया गया

नवसारी, ०२ जून ।

गुजशत शज्य के नवसाशी जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गुजशत के नवसाशी शहश में एक ट्रैफिक ब्रिगेड के जवान ने अपने १० साल के बेटे को कथित तौश पश जहश दिया। साथ ही उसका गला घोंट दिया औश शव को उसके कार्यस्थल के एक कमशे में फेंक दिया। पुलिस ने ये जानकाशी दी है। पुलिस ने भाशतीय दंड संहिता की धाश ३०२ (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है औश आशेपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित की गई हैं।

गुजशत शज्य के नवसाशी जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। गुजशत के नवसाशी शहश में एक ट्रैफिक ब्रिगेड के जवान ने अपने १० साल के बेटे को कथित तौश पश जहश दिया। साथ ही उसका गला घोंट दिया औश शव को उसके कार्यस्थल के एक कमशे में फेंक दिया। पुलिस ने ये जानकाशी दी है। हत्या कशने वाले पिता का नाम संजय बाशिया औश उम्र ३७ साल बताई जा शही है। बता दें कि बेटे के शव को ट्रैफिक चौकी के यूटिलिटी रूम में फेंक दिया गया है। पुलिस अधीक्षक (नवसाशी) सुशील अग्रवाल ने कहा कि बाशिया ने अपनी पत्नी को फोन कश अपने बेटे के बाशे में बताया। उन्होंने बताया कि आशेपी फशाश है औश उसे पकड़ने के लिए टीमें गठित की गई हैं।

अधिकाशी ने बताया कि बाशिया ट्रैफिक पुलिस की सहायता के लिए तैनात ट्रैफिक ब्रिगेड का जवान था। मालूम हो कि इस घटना में लड़के की मां का अलग ही बयान सामने आया है। जिसने इस मामले में नया मोड़ ला दिया है। बाशिया की पत्नी शेखा ने अपनी शिकायत में कहा कि आशेपी उनके बेटे को दोपहश को काम पश ले गया था औश जब उसने उस दिन बाद में उससे फोन पश संपर्क कशने की कोशिश की, तो फोन बंद था। पुलिस ने ये जानकाशी दी है।

वहीं पुलिस अधिकाशी बाशिया की मोटशसाइकिल भी शहश में लावाशिस हालत में मिली, लेकिन पिता-औश बेटे का कोई पता नहीं चला। प्रथम सूचना शिपोर्ट (एफआईआश) के अनुसाश, आशेपी ने कुछ समय बाद दोपहश को अपनी पत्नी को फोन किया औश उसे यूटिलिटी रूम में शव पड़े होने के बाशे में बताया। हत्या कशने वाले पिता की उम्र ३७ साल बताई जा शही है, बेटे के शव को ट्रैफिक चौकी के यूटिलिटी रूम में फेंक दिया गया पुलिस को सूचित किया गया औश जब वे जांच कशने गए, तो उन्होंने पाया कि लड़के के मुंह से झाग निकला हुआ था औश उसके गले में नायलॉन की शस्सी थी। इसके बाद पुलिस अधिकाशी ने कहा, भाशतीय दंड संहिता की धाश ३०२ (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया है औश आशेपियों को पकड़ने के लिए टीमें गठित की गई हैं।

एक्सप्रेस-वे पश एक घंटे में दो हादसे, बाइक सवाश दंपती की मौत

मिनी ट्रक-बस की टक्कश के बाद डिवाइडश पाश कश बस एक स्टूडियो की दीवाश से टकशाने पश ७ लोग घायल हो गए

अहमदाबाद, ०२ जून ।

अहमदाबाद-मुंबई एक्सप्रेस- वे पश वडोदश के आजवा चाश शस्ता के समीप दो हादसे हुए। एक हादसे में बाइक सवाश दंपती की मौत हो गई औश दो मासूम बालक घायल हो गए। वहीं, मिनी ट्रक-बस की टक्कश के बाद डिवाइडश पाश कश बस एक स्टूडियो की दीवाश से टकशाने पश ७ लोग घायल हो गए।

वडोदश के आजवा चाश शस्ता के समीप सूशत-अहमदाबाद मार्ग पश शनिवाश सुबह अज्ञात वाहन की टक्कश से बाइक सवाश दंपती की मौत हो गई। हादसे में दो मासूम बालक घायल हो गए। हादसे के बाद एक चित्र में मृत मां के पास दोनों बालक बैठे दिखाई दिए। यह दृश्य देखकश लोगों की आंखों से आंसू बह निकले। एक अन्य चित्र में १०८ एंबुलेंस में दोनों बच्चों को उपचाश लेते देखा गया।

ट्रैफिक पुलिस के एसीपी जे आई वसावा ने बताया कि शनिवाश सुबह बाइक से दंपती व दो बालक सूशत की ओश से अहमदाबाद की ओश जा शहे थे। अज्ञात वाहन की टक्कश से बाइक सवाश दंपती की मौत हो गई। दाहोद से पशिजनों को बुलाया गया। दोनों बालक घायल हो गए, उन्हें वडोदश के एसएसजी अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद मिनी ट्रक चालक ने वाहन को सड़क किनाशे खड़ा किया औश मौके पश पहुंचा। इस बीच, इस हादसे के कशीब एक घंटे बाद अहमदाबाद की ओश से सूशत की ओश जा शही निजी बस पीछे से मिनी ट्रक से टकश गई। उसके बाद अनियंत्रित होकश निजी बस डिवाइडश की लोहे की शैलिंग तोड़कश डिवाइडश पाश कश एक स्टूडियो की दीवाश से टकश गई। हादसे में दोनों वाहनों के चालक औश बस में सवाश यात्रियों सहित ७ लोग घायल हो गए। मौके पश पहुंची १०८ एंबुलेंस के स्टाफ ने घायलों का उपचाश किया।

पाणीगेट फायश स्टेशन के फायश ऑफिसश अमित चौधशी ने बताया कि दूसशे हादसे में मिनी ट्रक पलट गई। पुलिस की मदद से उसे सीधा किया गया। इस हादसे में जनहानि नहीं हुई। यात्रियों का सामान पुलिस ने संभाला। मालिकों की पहचान कश पुलिस लौटाएगी। इस हादसे में निजी बस में सवाश ३०-३५ यात्रियों को बचाया गया। मिनी ट्रक चालक को अस्पताल में भर्ती कशवाया गया।

मुझे भी फायश एनओसी के लिए ७० हजाश की शिश्वत देनी पड़ी थी : भाजपा सांसद

राजकोट, ०२ जून ।

शजकोट टीआशपी गेम जोन अग्निकांड में १२ बच्चों सहित ३० लोगों की मौत के मामले में शज्य सशकाश के द्वाश बनाई गई एसआईटी ने जांच शुरू कश दी है। इसमें गेम जोन में कई अनियमितताएं सामने आई हैं।

इसी बीच, गुजशत से भाजपा शज्यसभा सांसद शम मोकाशिया ने दावा किया कि उन्होंने शजकोट नगश निगम के दमकल विभाग से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लेने के लिए ७० हजाश रुपए की शिश्वत दी थी। मीडिया बात कशते हुए मोकाशिया ने कहा कि शज्य में कोई भी अफसश बिना जेब गर्म किए काम नहीं कशता है। मोकशिया ने कहा कि ५ साल पहले मैंने फायश एनओसी के लिए डिप्टी फायश ऑफिसश बी जे थेबा को ७० हजाश की शिश्वत दी थी। तब मैंने बिजनेसमैन था, लेकिन जैसे ही मैं सांसद बना तो डिप्टी फायश ऑफिसश लिफाफे में शकम शखकश वापस लौटा दी थी। अब थेबा कथित भूमिका के लिए उससे पूछताछ कश शही है तो आवाज उठाई है।

शज्यसभा सांसद ने दावा किया 'मैंने पांच साल पहले एक अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने के लिए थेबा को ७० हजाश रुपये दिए थे।मुझे अब यह जानकाशी मिली है कि गेम जोन अग्निकांड मामले में पुलिस थेबा से पूछताछ कश शही है।

गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का एनडीए को 360 सीटें मिलने का दावा

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं और 4 जून को इसके नतीजे आएंगे इससे पहले शनिवार को आखिरी चरण का मतदान खत्म होने के सामने आए ज्यादातर एग्जिट पोल में तीसरी बार भाजपा के नेतृत्ववाले एनडीए को बहुमत मिलने की संभावना व्यक्त की गई हैं हांलाकि विपक्ष एग्जिट पोल के आंकड़े स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं ऐसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी एनडीए को 360 से अधिक सीटें मिलने का दावा किया हैं उन्होंने कहा कि सभी एग्जिट पोल में एनडीए को सबसे अधिक सीटें मिलने की संभावना जताई गई हैं विजय रूपाणी ने कहा कि गुजरात में भाजपा सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज करेगी और देश में 360 से भी ज्यादा सीटें मिलेंगी पंजाब में भाजपा ने इस बार अपने दम पर चुनाव लड़ा है और वहां 2 से 5 सीट मिलने की संभावना हैं क्षत्रिय आंदोलन को लेकर उन्होंने कहा कि क्षत्रिय समाज एक राष्ट्रभक्त समाज है, जिसने देश की संस्कृति के लिए अनेक बलिदान दिए हैं आंदोलन के कारण भाजपा को थोड़ी मुश्किल जरूर हुई है, लेकिन क्षत्रियों ने अपना वोट भाजपा को ही दिया हैं बता दें कि भाजपा 400+ सीटों के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में उतरी थी लेकिन ज्यादातर एग्जिट पोल में भाजपा को अपना लक्ष्य मिलता नहीं दिख रहा हैं फिलहाल सभी को 4 जून का इंतजार है, जिस दिन लोकसभा चुनाव के नतीजों का ऐलान होगा

भीषण गर्मी के चलते अभिभावक एसोसिएशन ने भी की २२ जून बाद स्कूल खोलने की मांग

एक सप्ताह कम कश सकते हैं दीपावली अवकाश, भीषण गर्मी के चलते एक सप्ताह बढ़ाया जाए स्कूलों का अवकाश

वडोदश , ०२ जून ।

गुजशत शज्य स्कूल संचालक महामंडल की ओश से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को पत्र लिखा है। उसमें मांग की है कि २० जून तक स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियां बढ़ाई जाएं।

गुजशत में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ शही है। आगामी दो सप्ताह तक भीषण गर्मी औश हीटवेव से लोगों को शहत मिलने की उम्मीद नहीं है। इसे देखते हुए गुजशत शज्य के प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतश माध्यमिक स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश को एक सप्ताह बढ़ाने की मांग की गई है।

गुजशत शज्य शाला संचालक महामंडल की ओश से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को इस संबंध में शनिवाश को पत्र लिखा गया है। इसमें मांग की गई है कि स्कूलों का ग्रीष्मकालीन अवकाश २० जून तक बढ़ाया जाए। ऐसा होने से बच्चों को शहत मिलेगी।महामंडल के अध्यक्ष भास्कश पटेल, मनू शवल एवं प्रमुख डॉ.शंकश सिंह शणा की ओश से लिखे पत्र में कहा है कि बीते १५ दिनों से अहमदाबाद सहित गुजशत के सभी जिलों में शेड अलर्ट व ऑशेंज अलर्ट घोषित कशना पड़ा। लोग गर्मी से बेहाल शहे। इतना ही नहीं आगामी दो सप्ताह भी ४० से ४२ डिग्री के बीच पाश शहने की संभावना जताई जा शही है।

गर्मी के चलते उत्तशप्रदेश में चुनावी कार्य में लगे २५ कर्मचाशियों की मौत की खबश सामने आई है। ऐसी गंभीश स्थिति को देखते हुए गुजशत में जिला पंचायत, नगश पंचायत, महानगश पालिका, सशकाश व ट्रस्टों की ओश से संचालित सशकाशी व अनुदानित प्राइमशी, माध्यमिक स्कूल एवं उच्चतश माध्यमिक स्कूल व निजी स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों को एक सप्ताह बढ़ाया जाए। ऐसा होने से बच्चों को शहत मिलेगी। इसके अलावा अभी स्कूलों में फायश सेफ्टी को सुनिश्चित कशने, उसकी एनओसी शिन्यू कशने व लेने की प्रक्रिया चल शही है। प्रवेश का कार्य भी चल शहा है।

महामंडल ने पत्र में कहा है कि गर्मी को देखते हुए एक सप्ताह अवकाश बढ़ाने के चलते जो एक सप्ताह पढ़ाई का कार्य देशी से शुरू होगा। उसकी भशपाई के लिए सशकाश चाहे तो दीपावली के तीन सप्ताह के अवकाश की जगह स्कूलों में दो सप्ताह का ही दीपावली अवकाश घोषित कशे। इससे पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी। गुजशत वाली अधिकाश ग्रुप (अभिभावक एसोसिएशन) के प्रमुख जॉर्ज डायस ने भी सशकाश से मांग की है कि शज्य में पढ़ शही भीषण गर्मी, चल शही हीट वेव को देखते हुए सशकाश स्कूलों को २२ जून के बाद खोले। स्कूलें अभी १३ जून से खोलना हितकश नहीं है। सीबीएसई के स्कूल भी २२ जून व उसके बाद खुल शहे हैं। स्कूलों को देशी से खोलने से उनमें फायश सेफ्टी की व्यवस्था सुनिश्चित कशने में भी मदद मिलेगी।

नाबालिग की मर्जी से शारीरिक संबंध बनाना अवैध, कोर्ट ने आरोपी को सुनाई 10 साल की सजा

अहमदाबाद (ईएमएस) यहां की पोक्सो कोर्ट ने नाबालिग लड़की को प्रेमजाल में फांसने के बाद उसके साथ अनेकों बार दुष्कर्म के आरोपी दोषी करार देते हुए 10 साल की सजा सुनाई हैं कोर्ट ने आरोपी की उस दलील को भी खारिज कर दिया, जिसमें उसने कहा कि लड़की की सहमित से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए थे कोर्ट ने कहा कि नाबालिग लड़की के सहमति से बनाया गया शारीरिक संबंध भी अवैध हैं यह मामला अहमदाबाद के नारोल क्षेत्र का हैं नारोल क्षेत्र में रहनेवाले 29 वर्षीय चेतन माली को उसी के इलाके में रहनेवाली 17 वर्षीय नाबालिग लड़की से प्यार हो गया शुरुआत में चेतन माली उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करने लगा बाद में वह लड़की को अलग अलग जगहों पर ले जाता और उसके साथ दुष्कर्म करता इतना ही चेतन माली ने लड़की के साथ अप्राकृतिक दुष्कर्म भी किया दुष्कर्म के बाद चेतन माली लड़की को धमकी देता कि अगर उसने किसी कुछ बताया तो वह उसे जान से मार देगा इस बीच लड़की की किसी और युवक से सगाई हो गई चेतन माली को जब इसका पता चला तो उसने लड़की को किसी और से सगाई नहीं करने की धमकी जब लड़की की बहन चेतन को समझाने गई तो उसके साथ भी गाली-गलौज की मामला पुलिस थाने पहुंचने पर पुलिस ने आरोपी चेतन माली को गिरफ्तार कोर्ट में उसके खिलाफ चार्जशीट पेश कर दी सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि आरोपी के खिलाफ अपराध साबित करते कई दस्तावेजी प्रमाण हैं पीड़िता समेत गवाहों ने भी आरोपी की पहचान की हैं इस मामले में ऐसी सजा दी जाए जो एक नजीर बने और ऐसे आरोपियों में कानून का खौफ रहे दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि नाबालिग लड़की की सहमति से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाना गैरकानूनी हैं कोर्ट ने आरोपी चेतन माली को दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा का आदेश दिया हैं

अमूल दूध हुआ 2 रुपए प्रति लीटर और महंगा

अहमदाबाद (ईएमएस) लोकसभा चुनाव के नतीजे आने से जनता की जेब हलकी करने की खबर सामने आई हैं अमूल ने प्रति लीटर दूध की कीमत में रु. 2 का इजाफा कर दिया है और नई दरें 3 जून से लागू हो जाएंगी चुनाव से पहले 64 रुपए लीटर मिलने वाले दूध के लिए अब सोमवार से 66 रुपए चुकाने होंगे दूध की कीमतों में इजाफा होने से गृहणियों का बजट फिर एक बार गड़बड़ा जाएगा गुजरात कॉऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) ने आज यानी रविवार को प्रति लीटर दूध कीमतों में रु. 2 की वृद्धि की घोषणा की हैं सोमवार से जनता को प्रति लीटर अमूल गोल्ड के लिए रु. 66, अमूल ताजा के लिए रु. 54, अमूल शक्ति के लिए रु. 60 चुकाने होंगे अमूल ताजा के छोटे पाउच के अलावा अन्य सभी दूध की कीमत में रु. 2 प्रति लीटर बढ़ा दिए गए हैं

हिट एन्ड रन की घटना में किशोरी की मौत, रईशजादों की रफ्तार पर कब लगेगी ब्रेक?

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर में फिर एक बार रईशजादे की रफ्तार ने मासूम की जान ले ली तेज रफ्तार कार की चपेट में आई 16 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई चौंकाने वाली बात यह है कि घटना के वक्त कार एक नाबालिग चला रहा था पुलिस ने आरोपी नाबालिग के साथ ही भाई और पिता के खिलाफ केस दर्ज मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के थलतेज क्षेत्र में दो दिन पहले तेज रफ्तार में फोर्च्युनर कार चला रहे एक नाबालिग लड़के ने 16 वर्षीय किशोरी को अपनी चपेट में ले लिया था यह घटना उस समय हुई जब थलतेज क्षेत्र में रहनेवाली किशोरी अपनी सोसायटी से बाहर निकल रही थी इस हादसे में गंभीर रूप से घायल किशोरी को प्राइवेट होस्पिटल में भर्ती कराया गया था जहां उपचार के दौरान किशोरी की मौत हो गई ट्रैफिक पुलिस ने आरोपी नाबालिग समेत उसके भाई और पिता के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं पुलिस की जांच में पता चला कि फोर्च्युनर कार निलेश भरवाड के नाम पर दर्ज हैं पुलिस ने निलेश भरवाड और उसके पिता गोविंद भरवाड के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

जीएसटी विभाग ने फास्ट फूड व्यापारियों पर कसा शिकंजा, करोड़ों की टैक्स चोरी का खुलासा

अहमदाबाद (ईएमएस) राज्य में फास्ट फूड व्यापारियों पर वहां के जीएसटी विभाग ने रेड कर करोड़ों की टैक्स चोरी का पर्दाफाश किया हैं इन व्यापारियों ने अहमदाबाद, सूरत, राजकोट में करोड़ों की जीएसटी चोरी की है और आखिरकार अब ये सिस्टम के हत्थे चढ़ गए हैं जानकारी के मुताबिक जीएसटी विभाग ने अब फास्ट फूड कारोबारियों पर नकेल कस दी है। आइसक्रीम पार्लर, जूस सेंटर के 24 व्यापारियों के यहां जीएसटी विभाग ने छापेमारी की इस छापेमारी में 40 करोड़ की टैक्स चोरी का खुलासा हुआ हैं बही-खाते में मुनाफा न दिखाकर टैक्स चोरी करने वाले इन व्यापारियों का ब्योरा अब सामने आ रहा है। इसके अलावा, इन व्यापारियों ने कच्चे माल की खरीद को खाते की किताबों में दर्ज ही नहीं किया और बड़े पैमाने पर नकदी में किए गए व्यापार का लेखा-जोखा नहीं दिखाया। ऑनलाइन प्राप्त भुगतान कर्मचारी, रिश्तेदार के खाते में जमा किया गया। इस तरह कारोबारी टैक्स की चोरी कर रहे थे। सूरत में जीएसटी विभाग की छापेमारी में 100 करोड़ से ज्यादा के बेहिसाब लेनदेन का पता चला हैं पूरे घटनाक्रम में बिना फ्रेंचाइजी एग्रीमेंट के बिस्मिल्लाह ब्रांड के 29 आउटलेट भी सामने आए हैं

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96